विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री

Vishnu Deo Sai
CHIEF MINISTER

मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर
अटल नगर, रायपुर, 492002, छत्तीसगढ़
फोन: +91 (771) 2221000, 2221001

Mantralaya, Mahanadi Bhawan,
Nava Raipur Atal Nagar,
Raipur, 492002, Chhattisgarh
Ph.: +91 (771) 2221000, 2221001

Do. No. 2362 Date 11-10-25

संदेश

स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका–निपनिया द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका 'प्रगति' के प्रकाशन पर मैं हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

महाविद्यालय पत्रिका किसी भी शैक्षणिक संस्था की बौद्धिक एवं सृजनात्मक गतिविधियों का दर्पण होती है। यह विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, विचारों और अभिव्यक्ति की क्षमता प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम प्रदान करती है। मुझे विश्वास है कि 'प्रगति' पत्रिका विद्यार्थियों में लेखन, चिंतन एवं नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करेगी तथा उन्हें समाज और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगी।

मैं महाविद्यालय परिवार के सभी प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं संपादकीय टीम को इस रचनात्मक प्रयास के लिए शुभकामनाएँ देता हूं।

(विष्णु देव साय)

प्रति,

डॉ. अभिलाषा सैनी
प्राचार्य
स्व. रामनाथ वर्मा
शासकीय महाविद्यालय
मोपका निपनिया
जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा
पिन–493118 (छ.ग.)

TANK RAM VERMA

Minister of
Revenue and Disaster Management,
Rehabilitation, Higher Education
Department
Govt. of Chhattisgarh

D.O.No. ....310...../20 26..... Date : ..14/02/2026.....

-: शुभकामना संदेश :-

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि, **स्व. रामनाथ वर्मा, शासकीय महाविद्यालय, मोपका–निपनिया, जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)** की वार्षिक पत्रिका **"प्रगति"** का प्रकाशन किया जा रहा है। निरन्तर पत्रिकाओं का प्रकाशन विद्यार्थियों में लेखन एवं पठन–पाठन के प्रति रूचि को बढ़ाता है।

यह पत्रिका छात्र/छात्राओं की सांस्कृतिक, साहित्य रूचियों की अभिव्यक्ति के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में विकसित होगा। महाविद्यालय में पत्रिका का प्रकाशन स्वागत योग्य कदम है।

"प्रगति" के प्रकाशन से महाविद्यालय के विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता में वृद्धि होगी एवं इसके माध्यम से ज्ञान–अर्जन, साहित्य रूचि एवं सकारात्मक विचारों से छात्र/छात्राएँ लाभान्वित होंगे।

वार्षिक पत्रिका **"प्रगति"** के प्रकाशन की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई देता हूँ।

मंगलकामनाएं ...

(टंक राम वर्मा)

प्रति,

(डॉ. अभिलाषा सैनी),
प्राचार्य,
स्व. रामनाथ वर्मा, शासकीय महाविद्यालय, मोपका–निपनिया,
जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

Residential Office: 'B-5/10, Shankar Nagar, Raipur, (C.G.) Pin Code - 492001, Phone: 0771-2991022
Office: M-1-17, Mantralaya, Mahanadi Bhawan, Atal Nagar, Raipur, (C.G.) Pin Code - 492002, Phone: 0771-2510527, 2221221.

डॉ. संतोष कुमार देवांगन, आई.ए.एस.
आयुक्त

उच्च शिक्षा संचालनालय,
छत्तीसगढ़
ब्लॉक–03,तृतीय तल, इंद्रावतीभवन,
नवा रायपुर अटल नगर, (छ.ग.) 492002
अर्द्ध शास. पत्र कमांक.....1.3.....
रायपुर, दिनांक ..02-12-2025
दूरभाष / फैक्स–0771–2263412,2263411

//शुभकामना–संदेश//

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका निपनिया जिला बलौदाबाजार–भाटापारा छ0ग0 के द्वारा वार्षिक पत्रिका "प्रगति" का प्रकाशन किया जा रहा है।

आशा है इस पत्रिका के प्रकाशन से महाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं की लेखन शैली और सृजन क्षमता का विकास होगा। पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

शुभकामनाओं सहितं

(डॉ. संतोष कुमार देवांगन)

प्राचार्य,
स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय,
मोपका निपनिया
जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर (छत्तीसगढ़) – 492010 भारत

Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur (Chhattisgarh) – 492010 – INDIA
Office : +91 771-2262857, +91 771-2263439
E-mail : vc_raipur@prsu.ac.in
Website : www.prsu.ac.in

रायपुर, दिनांक 13 अगस्त, 2025

शुभकामना

हार्दिक प्रसन्नता का विषय है कि स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका निपनिया जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा महाविद्यालयीन पत्रिका **'प्रगति'** का प्रकाशन किया जा रहा है।

उच्च शिक्षण संस्थान छात्र–छात्राओं को उत्कृष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास के सक्षम केन्द्र होते हैं। तकनीकी प्रयोग के साथ युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा के विकास, सृजन–क्षमता के प्रदर्शन एवं उनकी अभिरुचि की अभिव्यक्ति के लिए महाविद्यालय सतत् क्रियाशील रहे और उत्कृष्ट मानव संसाधन के विकास की भूमिका में महाविद्यालयीन पत्रिका अपनी सार्थकता को सिद्ध कर सके, ऐसी मेरी कामना है।

महाविद्यालयीन पत्रिका **'प्रगति'** महाविद्यालय के शैक्षिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक गतिविधियों के दर्पण के रूप में शिक्षकों एवं छात्रों को प्रेरित करने के अपने उद्देश्य में सफल सिद्ध होगी।

अनन्त शुभकामनाओं सहित।

13/8/25

(प्रो.सच्चिदानन्द शुक्ल)
कुलपति
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर

प्रति,
प्राचार्य
स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका निपनिया
जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा (छत्तीसगढ़)

इन्द्र साव
विधायक
भाटापारा विधानसभा क्षेत्र क्र. 46

पता : इन्द्र निवास, म.नं. 343/2, इथनीपारा, भाटापारा,
जिला - बलौदाबाजार - भाटापारा (छ.ग.) पिन - 493118
रायपुर निवास - म. नं. 546, स्ट्रीट- 14, सेक्टर - 3
यामनराव लाखे वार्ड 66, प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.)
पिन - 492001
मोबाईल नं. : 9009728128, 9926128128
फोन नं. : 07726-220814 (O), 07726-220815 (R)
ई-मेल : indrasao.byt@gmail.com

क्रमांक 807/वि.भा./2025 दिनांक 19/07/2025

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत ही प्रसन्नता है कि स्व. रामनाथ वर्मा शास. महाविद्यालय मोपका द्वारा "**प्रगति**" पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

प्रत्येक महाविद्यालय की अपनी एक पहचान होती है यह "प्रगति" पत्रिका उस पहचान से हमारा साक्षात्कार कराती है। मेरी कामना है कि यह "प्रगति" पत्रिका विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक अभिव्यक्ति की वाहक बने, साथ ही हम सब मिलकर अपनी लगन, निष्ठा और समर्पण से इस महाविद्यालय को शिक्षा का एक आधुनिक मंदिर बनाएं।

"**प्रगति**" पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(इन्द्र साव)

दीपक सोनी
भा.प्र.से.
कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी
जिला : बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

दूरभाष (कार्या.) : 07727-223444
फैक्स : 07727-223445
निवास : 07727-223400
ई- मेल : balodabazar.cg@gov.in
अर्ध.शा.पत्र.क्रं : 1999/2026
दिनांक : 23/02/2026

" संदेश "

अत्यन्त हर्ष का विषय है, कि इस वर्ष स्व. रामनाथ वर्मा, शासकीय महाविद्यालय मोपका, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा महाविद्यालयीन पत्रिका " **प्रगति** " का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका प्रकाशन हेतु मेरी शुभकामनाएँ एवं हार्दिक बधाई। मुझे आशा है, कि यह पत्रिका आपकी संस्था में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा। आपके विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी के स्वस्थ्य, सुरक्षित एवं उज्जवलित भविष्य की शुभकामनाएँ ।

दीपक सोनी भा.प्र.से.

प्रति,

डॉ अभिलाषा सैनी,
प्राचार्य,
स्व.रामनाथ वर्मा शास.महाविद्यालय मोपका-निपनिया
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ0ग0)

कार्यालय क्षेत्रीय अपर संचालक
उच्च शिक्षा, रायपुर
शासकीय नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय परिसर, रायपुर
ईमेल ID - headraipur@gmail.com

//संदेश//

यह बात जानकर प्रसन्नता हुई कि आपका महाविद्यालय वार्षिक पत्रिका "प्रगति" का नवीन संस्करण प्रकाशित करने जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अतंर्गत छात्रों में शैक्षणिक कार्य के अतिरिक्त अन्य शैक्षणेत्तर गतिविधियों का विकास एवं विस्तार आवश्यक है। इन बातों को ध्यान में रखकर महाविद्यालय परिवार छात्रों, प्राध्यापको, क्रीड़ाधिकारी सभी एक ही विचारधारा के साथ प्रगति पत्रिका के पृष्ठ भूमि पर एक मत होते हुए शैक्षणिक स्तर का विशिष्ट विशेषांक प्रकाशित कर रहे है। जो भविष्य के लिए मील का पत्थर और मार्गदर्शिका होगी।

आजादी एवं लोकतंत्र के अमृत महोत्सव के पवित्र उत्सव के साथ वन्देमातरम् के 150 वर्ष पर यह विशेषांक एक स्मारिका के रूप में स्थापित होता ऐसी मैं कामना करता हूँ। स्वर्णिम अवसर पर विशेष स्मारिका "प्रगति" का प्रकाशन किया जा रहा है।

"प्रगति" के प्रकाशन अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रति,
डॉ. अभिलाषा सैनी, प्राचार्य
स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय,
मोपका–निपनिया

10.12.2025

(डॉ. तपेश चन्द्र गुप्ता)
अपर संचालक
क्षेत्रीय कार्यालय उच्च शिक्षा
रायपुर (छ.ग.)

शिवरतन शर्मा

सदस्य, प्रथम,चतुर्थ एवं पंचम
विधानसभा,छत्तीसगढ़
उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़

निवास :
सुभाष वार्ड, भाटापारा
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) पिन 493 118
मों. 94252-06885, 98261-06885
E-mail. : shivratansharma.bjp@gmail.com

अर्द्ध शास.पत्र क्र. 345/26 /अ.वि.स.

भाटापारा, दिनांक 16/02/2026

//शुभकामना संदेश//

स्व.रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय,मोपका - निपनिया जिला बलौदाबाजार - भाटापारा की वार्षिक पत्रिका "प्रगति" का प्रकाशन, संस्था की शैक्षणिक सक्रियता और सृजनात्मक चेतना का प्रेरक परिचायक है।

यह प्रकाशन केवल एक पत्रिका नहीं है। बल्कि विद्यार्थियों के विचार. विस्तार,बौद्धिक परिपक्वता तथा अभिव्यक्ति. सामर्थ्य को दिशा देने वाला सशक्त माध्यम है।

"प्रगति" शीर्षक अपने आप में अग्रसरता, नवदृष्टि और सतत विकास का प्रतीक है। मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका ज्ञानार्जन की संस्कृति को सुदृढ़ करते हुए युवाओं में सकारात्मक सोच और राष्ट्रनिर्माण की भावना को और प्रखर बनाएगी।

इस अभिनव प्रयास के लिए महाविद्यालय परिवार बधाई का पात्र है। पत्रिका की निरंतर उन्नति और प्रभावपूर्ण प्रकाशन हेतु मेरी शुभेच्छाएँ।

{शिवरतन शर्मा}

संकेत अग्रवाल

सरपंच ग्राम पंचायत गुड़ेलिया
अध्यक्ष सरपंच संघ, भाटापारा
अध्यक्ष जनभागीदारी समिति " स्व. रामनाथ वर्मा "
शासकीय नवीन महाविद्यालय, मोपका–निपनिया
सदस्य जिला खनिज संस्थान न्यास, ब.बाजार–भाटापारा
सदस्य जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति

पता :– ग्राम – गुड़ेलिया, पो. मोपका
भाटापारा, जिला – ब.बा. भाटापारा (छ.ग)
पिन – 493118
मो. 9826129465, 9303510456
sanketagrawal63@gmail.com

क्रमांक 45

दिनांक..16/02/2026

// अभिनंदन एवं शुभकामना संदेश //

यह अत्यंत प्रसन्नता एवं गौरव का विषय है कि स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका (निपनिया), जिला–बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) द्वारा वार्षिक पत्रिका "प्रगति" का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पहल महाविद्यालय की शैक्षणिक चेतना, सृजनशील वातावरण एवं बौद्धिक उन्नयन का सशक्त प्रतीक है।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका छात्र–छात्राओं की अंतर्निहित प्रतिभाओं को अभिव्यक्ति का सुदृढ़ मंच प्रदान करेगी तथा उनके विचार, कल्पनाशीलता एवं लेखन-कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रकार के प्रयास युवा पीढ़ी में आत्मविश्वास, बौद्धिक जागरूकता एवं रचनात्मक दृष्टिकोण के विकास में सहायक सिद्ध होते हैं।

इस सराहनीय प्रयास के लिए संपादक मंडल, प्राध्यापकगण एवं समस्त छात्र–छात्राएँ बधाई के पात्र हैं। पत्रिका के सफल, सार्थक एवं निरंतर प्रकाशन हेतु मेरी मंगलकामनाएँ।

16/02/26

संकेत अग्रवाल
जनभागीदारी अध्यक्ष
स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका-निपनिया

//शुभकामनाएं संदेश //

जय नारायण केशरवानी

सेवानिवृत नियमित प्रधानाचार्य

शासकीय महाविद्यालय लवन

स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका निपनिया, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा प्रकाशित प्रथम वार्षिक पत्रिका "प्रगति" ज्ञान, सृजनशीलता और वैचारिक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट मंच है। अपने नाम के अनुरूप यह पत्रिका निरंतर उन्नयन, नवाचार और सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा देती रहे, यही मेरी मंगलकामना है।

यह पहल विद्यार्थियों की अंतर्निहित प्रतिभा को निखारने तथा उनके बौद्धिक विकास को नई दिशा प्रदान करने का सराहनीय प्रयास है। निश्चित ही यह पत्रिका महाविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा एवं सृजनात्मक परंपरा को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

इसके सफल एवं सतत प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

Dr. J. N.Kesharwani

कार्यालय ग्राम पंचायत मोपका

जनपद पंचायत-भाटापारा, जिला : ब.बाजार-भाटापारा (छ.ग.)

डॉ. चेतन वर्मा (सोनू मण्डल)
सरपंच
उपाध्यक्ष-सरपंच संघ भाटापारा
मो. 98261-86829, 9425523845

स्थायी निवास : ग्राम-मोपका
कार्यालय : जनपद पंचायत के पीछे, भाटापारा
जिला : बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
पिन : 493118

क्रमांक 02/2026/2

दिनांक 16/02/2026

// Best Wishes //

The annual publication "Pragati" of Late Ramnath Verma Government College Mopka-Nipaniya Balodabazar-Bhatapara stands as a distinguished forum for scholarly insight, creative thought, and expressive articulation. In harmony with its name—Pragati, signifying advancement and progress—the magazine embodies the ideals of continuous development, enlightened thinking, and constructive change.

Such a visionary endeavor not only cultivates the hidden potential of students but also fosters their intellectual refinement and academic excellence. It undoubtedly enhances the prestige and vibrant literary culture of the institution.

I convey my sincere best wishes for the magazine's enduring success and progressive journey ahead.

Dr. Chetan Verma
Sarpanch, Mopka

Email : ChetanV.bjp1989@gmail.com

//शुभकामना संदेश//

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे महाविद्यालय में वार्षिक पत्रिका ''प्रगति'' का प्रथम संस्करण प्रकाशन किया जा रहा है। महाविद्यालय के लिए यह एक नव पहल है। महाविद्यालय के विकास एवं प्रगतिशील दिशा निर्धारण में महाविद्यालयीन पत्रिकाएँ मील का पत्थर साबित होती हैं। महाविद्यालयीन पत्रिका विद्यार्थियों के मौलिक व शोधपरक, अनुभव, रचनात्मक अभिव्यक्ति, उपलब्धियां व विभागीय प्रतिवेदन को एक मंच प्रदान करती है।

यह पत्रिका महाविद्यालय को संबल प्रदान करेगी एवं विद्यार्थियों को रचनात्मक एवं सृजानात्मक बल प्रदान करने वाली होगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ''प्रगति'' पत्रिका अपने अर्थ के अनुरूप महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं की सांस्कृतिक , साहित्यिक रूचियों को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम बनेगी तथा उनकी प्रच्छन्न प्रतिभा की निरंतर प्रगति करेगी। ''प्रगति'' पत्रिका के प्रथम संस्करण के सफल एवं सार्थक प्रकाशन के प्रयास के लिए महाविद्यालय परिवार को अनंत शुभकामनाएँ एवं हार्दिक बधाई।

A. Sain

प्राचार्या की कलम से....

मुझे स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय से जुड़कर बहुत गर्व महसूस हो रहा है जो ग्रामीण शिक्षा प्रसार के अपने पथ पर अग्रसर होकर अपने आठवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका–निपनिया, जिला –बलौदाबाजार –भाटापारा, छत्तीसगढ़ की स्थापना 2018 में हुई। तब से यह महाविद्यालय उत्तरोत्तर की ओर अग्रसर हो रहा है। सत्र 2025 में यह महाविद्यालय अपनी प्रगति के साथ रजत जयंती वर्ष हर्षोउल्लास के साथ मनाया। ग्रामीण आंचल में संचालित यह महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने में अहम–भूमिका निभा रहा है। उच्च शिक्षा के माध्यम से अंचल के युवाओं का समग्र विकास करना, ग्रामीण युवाओं के व्यक्तित्व विकास, विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, नैतिक परामर्श एवं कार्यशाला आयोजन के माध्यम से बहुमुखी शिक्षा प्रदान करना, अकादमिक उत्कृष्टता एवं एकल प्रदर्शन पहचान कराना, छात्र–छात्राओं को स्वरोजगार की ओर अग्रसर करना, खेलकूद के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक उत्थान कर राष्ट्र चरित्र निर्माण की दिशा में उन्मुख करना तथा वर्तमान नवाचार से छात्र–छात्राओं को अवगत कराना महाविद्यालय का मुख्य उद्देश्य रहा है। सूचना क्रांति के इस दौर में नवीन सूचना तकनीकियों एवं प्रौद्योगिकियों का ज्ञान यथा कैशलेस ट्रांजेक्शन–एटीएम, पेटीएम, इंटरनेट बैंकिंग, डिजिटल साक्षरता जैसी पद्धतियों से छात्र –छात्राओं को अवगत कराने की दिशा में विशेष उपलब्धि हासिल की है। ''नवा छत्तीसगढ़ 2025'' का विजन उच्च शिक्षा में विस्तारीकरण, समरूप पहल, रोजगार उन्मुखी, पारदर्शिता एवं गुणवत्ता युक्त नए आयामों को स्थापित एवं संचालित करने के प्रति महाविद्यालय प्रतिबद्ध है।

महाविद्यालय के पास 12 एकड़ भूमि है। प्रारम्भ में यहां कला, गणति एवं वाणिज्य संकाय थे। वर्ष 2023 में बायो संकाय प्रारम्भ करने की स्वीकृति शासन से प्राप्त हुई तथा परीक्षा केन्द्र 2024 में प्राप्त हुआ। ग्रामीण अंचल के इस महाविद्यालय में स्नातकोत्तर कक्षाऐं प्रारम्भ किया जाना बहुत ही आवश्यक एवं प्रासंगिक है चूंकि स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने के लिए गरीब बच्चों को बाहर के उच्च शिक्षा संस्थानों में जाना न पड़े। अत्यंत खुशी की बात है कि नए सत्र से महाविद्यालय में स्नातकोत्तर कक्षाएँ प्रारम्भ होने जा रही हैं। हमारा प्रयास है कि क्षेत्र की आवश्यकता एवं मांग के अनुरूप नवीन विषयों को समाहित करते हुए उनके प्रारम्भ किये जाने को प्रयासरत् है और इस हेतु महाविद्यालय कृत संकल्पित भी है। अपने सूक्त वाक्य **''विद्या ददाति विनयम''** के पथ पर अग्रसर होने का प्रयास करता रहेगा। किसी भी महाविद्यालय की पत्रिका का प्रकाशन उस संस्था की शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक गतिविधियों का लेखा–जोखा एवं प्रतिबिम्ब होता है। पत्रिका के माध्यम से छात्र–छात्राओं की मौलिक रचनाओं के प्रकाशन से विद्यार्थियों को एक मंच मिलता है। साथ ही उनके विचारों, भावनाओं, प्रतिभाओं को व्यक्त करने का भी अवसर मिलता है। यही कारण महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं में बौद्धिक, कला –कौशल विकास का निरन्तर विकास होता दिखाई दे रहा है। इसी मूल उद्देश्य को लेकर सत्र 2025–26 में महाविद्यालय द्वारा ''प्रगति'' नाम से पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। मेरी ओर से सम्पादक मण्डल को पत्रिका के सफल सम्पादन एवं प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त करती हूँ।

मै आशा करती हूँ कि ''प्रगति'' पत्रिका का प्रकाशन प्रति वर्ष हो। उन्ही शुभकामनाओं के साथ उक्त पत्रिका आपको समर्पित है।

संपादकीय.....

डॉ प्रियंका पाटले

"सच्ची प्रगति वह है जो केवल अंकतालिका में नहीं,
बल्कि सोच, संवेदना और चरित्र में दिखाई दे।"

जब विचारों को दिशा मिलती है और शब्दों को उद्देश्य, तभी शिक्षा जीवंत होती है। महाविद्यालय की पत्रिका प्रगति हमारे शैक्षणिक जीवन की ऐसी ही सशक्त और सार्थक अभिव्यक्ति है, जहाँ विचार शब्दों का रूप लेते हैं और शब्द जिम्मेदारी का बोध कराते हैं। यह पत्रिका केवल लेखों और रचनाओं का संकलन नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के संयुक्त बौद्धिक प्रयास का सजीव दस्तावेज़ है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है, और जब विद्यार्थी अध्ययन के साथ–साथ अपने अनुभवों, प्रश्नों, संवेदनाओं और सपनों को कलम के माध्यम से अभिव्यक्त करता है, तभी उसका वास्तविक बौद्धिक विकास संभव हो पाता है। प्रगति इसी रचनात्मक अभिव्यक्ति को मंच प्रदान करती है।

प्रगति केवल काग़ज़ पर छपी इबारत नहीं,
यह सोच की मशाल है, जो अँधेरों में जलती है।
यह प्रश्न भी है, उत्तर भी है,
और मौन समाज को शब्द देने वाली आवाज़ भी है।

जहाँ खबरें शोर बन जाती हैं,
वहाँ प्रगति अर्थ तलाशती है।
यह विकास को आँकड़ों में नहीं,
इंसान की गरिमा और सपनों में मापती है।

यह पत्रिका बताती है कि
सच्ची उन्नति वही है
जिसमें कोई पीछे न छूटे,
और हर कदम समाज को आगे बढ़ाए।

स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका–निपनिया, ज्ञान, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की सुदृढ़ परंपरा का प्रतीक रहा है, जहाँ प्राध्यापक केवल शिक्षक नहीं बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं और अपने अनुभव, विवेक तथा दृष्टि से विद्यार्थियों को दिशा देते हैं, वहीं विद्यार्थी अपनी जिज्ञासा, ऊर्जा और नवचेतना से शिक्षा को जीवंत बनाते हैं। प्रगति इन दोनों के बीच संवाद का सेतु बनकर उभरती है। वर्तमान समय में समाज को विचारशील, संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिकों की आवश्यकता है, और यह पत्रिका विद्यार्थियों को समाज, संस्कृति, पर्यावरण तथा नैतिकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सोचने और लिखने का अवसर देती है। हमें विश्वास है कि प्रगति का यह अंक विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक चेतना को और अधिक सशक्त करेगा तथा इसी निरंतर प्रयास में हमारे महाविद्यालय की वास्तविक प्रगति निहित है।

एकेडमिक एवं पाठ्योत्तर गतिविधियां

पत्रिका

भाटापारा : जनजातीय गौरव कार्यक्रम आयोजित

भाटापारा @ पत्रिका. स्वर्गीय रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका निपनिया जिला बलौदा बाजार में प्राचार्य डॉ अभिलाषा सैनी के निर्देशन में जनजातीय गौरव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य संग्रेक्षा विस विभाग से वीएस सरकाम और मुख्य अतिथि के रूप में आर के कुंजाम प्रांतीय महासचिव गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति छत्तीसगढ़, सामाजिक कार्यकर्ता सुनील कुमार श्याम उपस्थित थे। मुख्य वक्ता वीएस सरकाम ने जनजातीय समाज के इतिहास तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान का विस्तृत वर्णन किया। आर के कुंजाम ने जनजातीय समाज की जल, जंगल और जमीन के संरक्षण में भूमिका के बारे में बताया। सुनील कुमार श्याम ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए मेहनत करने और अपनी पहचान स्थापित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में संयोजक एनके ध्रुव, सहसंयोजक राजाराम ध्रुवे, सहायक अध्यापक नेहा केरकेट्टा, प्रियंका पाटले, तृप्ति साव, अतिथि व्याख्याता डॉ अमित कुमार, युवराज दीक्षित, सूरज दुबे तथा दिगंबर कश्यप तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

26/11/2024 | Raipur Zila | Page : 12
Source : https://epaper.patrika.com/

पत्रिका

साय के सुशासन पर संगोष्ठी स्लोगन, वाद-विवाद स्पर्धा

भाटापारा @ पत्रिका. स्व रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका निपानिया में प्राचार्य डॉ. अभिलाषा केनी के निर्देशन में सरकार गठन के 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में सुशासन पर संगोष्ठी, स्लोगन, वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों द्वारा संगोष्ठी में भाग लिया गया, जिसमें ऋषभ वर्मा, कोमेंद्र, लखनलाल, धानेश्वरी, कांक्षी साहू, अंजू वर्मा, प्रीतम निषाद, खिलेश्वर, कार्तिक, परमेश्वर, स्लोगन में हीरा, कांक्षी साहू, प्रीतम, ऋषभ, अंजू वर्मा ने भाग लिया।

वाद-विवाद के अंतर्गत पक्ष में प्रीतम, कोमेंद्र, सरिता, कांक्षी, शैलेंद्र एवं विपक्ष में लखन, परमेश्वर, ऋषभ, मुकेश एवं कार्तिक ने भाग लिया। कार्यक्रम में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सरकार के विभिन्न नीतियों एवं जनता को लाभ पहुंच रहा है, उस पर विचार विमर्श किया गया।

सरकार की विभिन्न योजनाओं पर चर्चा

सरकार की विभिन्न योजनाओं ऐसे महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजनाए सुपोषण योजनाए रामलाल की दर्शन आदि योजना पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में मसविधालय के सहायक अध्यापक एनके ध्रुव, प्रियंका पाटले, तृप्ति साव, डॉ. अमित कुमार, युवराज दीक्षित, विगंबर कश्यप, सुरज डुबे एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

13/12/2024 | Raipur Zila | Page : 20
Source : https://epaper.patrika.com/

वृक्षारोपण

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय प्रांगण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा लिए गए गोदग्राम में वृक्षारोपण किया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रियंका पाटले, डॉ अभिलाष सैनी एवं स्टाफ के निरंतर प्रयास से महाविद्यालय के खाली पड़े भूमि में लगभग हर वर्ष पौधा लगाया जाता है।

वृक्षारोपण महा अभियान

NSS

सेवा योजना

LATE RAMNATH VE

"एक पेड़ माँ के नाम"

LATE RAMNATH VERMA GOVT. CO
Science Group

महाविद्यालय के गौरव

कु. टिकेश्वरी साहू
प्रथम स्थान
50kmCyclothon

कु. सुमन ध्रुव
तृतीय स्थान
50km Cyclothon

कु. माया ध्रुव
राष्ट्रीय साहसिक शिविर
एन.एस.एस. शिविर

कु. सुमन ध्रुव
राज्य स्तरीय
एन.एस.एस. शिविर

कु. टेशु निशाद
राज्य स्तरीय
एन.एस.एस. शिविर

अमित कुमार
कबड्डी
विश्वविद्यालय स्तरीय

राजनीतिज्ञ एवं प्रशासनिक व्यक्तित्व की सुर्खियां

12/08/2023
मतदाता जागरूकता
स्वीप कार्यक्रम

LATE RAMNATH VERMA GOVT. COLLEGE
Mopka-Nipaniya
Dist.-Balodabazar-Bhatapara
Science Group

सप्त दिवसीय विरा
समाज के लिए
2026 से 12/02
विद्यालय, ग्राम राम
शिविर स
स्वागत

मोपका - निपनिया
वार्षिकोत्सव
सम्मान स

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय
मोपका-निपनिया
सात दिवसीय विशेष शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वच्छ भारत अभियान

महाविद्यालय के स्वयं सेवक के द्वारा प्रत्येक माह के कोई एक शनिवार को महाविद्यालय प्रांगण, प्रायोगिक कक्ष एवं आस पास की साफ–सफाई का कार्य जाता है।

रक्तदान शिविर

स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका–निपानिया जिला बलौदाबाजार–भाटापारा में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड क्रॉस एवं रेड रिबन के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन 26 सितंबर को महाविद्यालय में किया गया जिसमें सहायक प्राध्यापक सहित लगभग 30 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। साथ ही पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत रक्तदान अमृत महोत्सव के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रियंका पाटले एवं स्वयंसेवक द्वारा 4 यूनिट रक्त दिया गया।

रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय में रक्तदान शिविर

अमृत संदेश भाटापारा

रक्तदान है जीवनदान के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जिला अस्पताल बलौदाबाजार के सौजन्य से स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका-निपानिया जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में प्राचार्य डॉ अभिलाषा सैनी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी, रेड रिबन नोडल अधिकारी रेड क्रॉस प्रभारी, प्रियंका पाटले द्वारा सेवा पखवाड़ा 2.0 के अंतर्गत एक दिवसीय रक्तदान अमृतमहोत्सव शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एन के ध्रुव, रोहित लाल देवांगन, राजा राम धुर्वे, नेहा केरकेट्टा, डॉ अमित कुमार, युवराज सिंह दीक्षित, संपत साहू सहायक ग्रेड 2, मंगलू निषाद सहायक ग्रेड 3, तमेंद्र नेताम लैब तकनीशियन, स्वयंसेवक, छात्र-छात्राएँ एवं नगर के प्रबुद्ध नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शिविर में जिला अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम ने उपस्थित रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित ढंग से रक्त संग्रह किया। मोपका सरपंच डॉ चेतन वर्मा द्वारा रक्तदान देकर शुरुआत किया। महाविद्यालय परिवार, ग्रामवासियों एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया। शिविर में लगभग 31 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया जिसमें महाविद्यालय स्टाफ राजा राम धुर्वे, नेहा केरकेट्टा, डॉ अमित कुमार, तमेंद्र नेताम, अभिजय सैनी साथ ही भाटापारा से ताकेश्वर यदु, भीखम यदु, बहादुर यदु, मुरली यदु, रवि यदु, सरपंच मोपका डॉ चेतन वर्मा से प्रेरित होकर मोपका ग्रामवासी राहुल साहू, बहादुर वर्मा, देवा ध्रुव, हीरालाल धीवर, कामेश साहू, दीपक सोनी, तुलाराम, साथ ही वरिष्ठ स्वयंसेवक आदि ने रक्त दान देकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। यह रक्त जिला चिकित्सालय के रक्तकोष में सुरक्षित रखकर जरूरतमंद मरीजों को उपलब्ध कराया जाएगा।

सेवा पखवाड़ा 2.0

जिला अस्पताल के सहयोग से स्व. रामनाथ वर्मा महाविद्यालय में लगाया शिविर

भाटापारा में रक्तदान करने के लिए उमड़े विद्यार्थी

नईदुनिया न्यूज, भाटापारा: रक्तदान के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जिला अस्पताल के सहयोग से स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका-निपानिया में प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी के मार्गदर्शन में सेवा पखवाड़ा 2.0 के अंतर्गत एक दिवसीय रक्तदान अमृतमहोत्सव शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक, छात्र-छात्राएँ और नगर के प्रबुद्ध नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिला अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम ने रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित ढंग से रक्त संग्रह किया। मोपका के सरपंच डॉ. चेतन वर्मा ने रक्तदान कर शिविर की शुरुआत की। महाविद्यालय परिवार और ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया। शिविर में लगभग 31 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। ग्राम मोपका में रक्तदान शिविर का आयोजन। • नईदुनिया

के स्टाफ और स्थानीय नागरिकों ने योगदान दिया।

यह रक्त जिला चिकित्सालय के रक्तकोष में सुरक्षित रखा जाएगा। प्राचार्य ने बताया कि रक्तदान से न केवल जरूरतमंद को जीवनदान मिलता है, बल्कि दाता का स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है। डॉ. चेतन वर्मा ने युवा पीढ़ी को एनेएसएस कार्यों में सक्रिय रहने का संदेश दिया। शिविर में रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले ने जिला अस्पताल की टीम का आभार व्यक्त किया। शिविर में रक्तदान महादान है, जैसे प्रेरक नारे गूंजते रहे। महिला छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान किया, यह दर्शाते हुए कि सेवा और त्याग की कोई सीमा नहीं होती।

रसायन विभाग

नेहा केरकेट्टा
विभागाध्यक्ष

हमारे महाविद्यालय का रसायन विभाग शिक्षा एवं नवाचार का उत्कृष्ट केंद्र है।

यह विभाग छात्रों को रसायन विज्ञान के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ प्रयोगात्मक दक्षता भी प्रदान करता है। विभाग की प्रयोगशाला में आवश्यकतानुसार सभी उपकरण उपलब्ध हैं, जहाँ छात्र विभिन्न विश्लेषणात्मक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं। विभाग के प्राध्यापक न केवल विषय विशेषज्ञ हैं, बल्कि छात्रों को शोध एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण की ओर प्रेरित करते हैं।

नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप हमारे महाविद्यालय में शिक्षा को ज्ञान केंद्रित से कौशल केंद्रित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। विभाग में बहुविषयक दृष्टिकोण, अनुभवात्मक शिक्षण तथा प्रयोगशाला आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया जाता है।

NEP के अंतर्गत क्रिटिकल थिंकिंग, इनोवेशन तथा रिसर्च कल्चर को बढ़ावा देने हेतु छात्रों को सेमिनार, प्रोजेक्ट एवं मिनी रिसर्च से जोड़ा जाता है। छात्र मृदा परीक्षण, जल परीक्षण, रसायन रहित गुलाल निर्माण, सेनेटाइजर निर्माण जैसे कार्यों में सक्रिय रूप से कार्य कर चुके हैं। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य तथा औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

हमारे महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ कर्तव्यनिष्ठ एवं मेहनती हैं।

रसायन विभाग विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

English Department

The English Department of Lt. Ramnath Verma Government College, Mopka, has consistently worked towards promoting language proficiency, literary awareness, and holistic personality development among students. During the academic session, the department actively organized and participated in various academic, literary, and co-curricular activities with the objective of enhancing students' communicative competence, critical thinking, and appreciation of literature.

The department introduced them to the structure of the English curriculum, importance of English language skills in higher education and employment, and effective strategies for reading, writing, speaking, and listening. Students were also guided about reference books, use of the library, and responsible use of digital learning resources.

Classroom teaching remained the core activity of the department. Special emphasis was laid on interactive teaching methods such as group discussions, classroom presentations, role play, dramatized reading of texts, and question–answer sessions. These methods helped students overcome hesitation, improve pronunciation, and develop confidence in spoken English. Literary texts were taught not only from an examination point of view but also by relating them to social realities, moral values, and contemporary issues, thus making learning meaningful and relevant.

Career-oriented guidance was another important focus of the department. Students were motivated to improve their communicative English for competitive examinations, interviews, teaching profession, and other career opportunities. Informal guidance sessions were held on resume writing, basic interview skills, and the importance of soft skills such as body language, diction, and confidence.

The department also encouraged students to develop a reading habit beyond the syllabus. Students were motivated to read newspapers especially Speaking trees from The Times of India, magazines, short stories, and simplified classics. This initiative helped them improve vocabulary, comprehension, and general awareness. Remedial support was provided to slow learners, while advanced learners were encouraged to attempt creative writing and critical responses.

Overall, the English Department played a constructive role in the academic and personality development of students during the session. With dedication of faculty members and active participation of students, the department successfully fulfilled its academic responsibilities and contributed meaningfully to the intellectual environment of the college. The department remains committed to further strengthening language education, literary culture, and student-centric learning in the coming years.

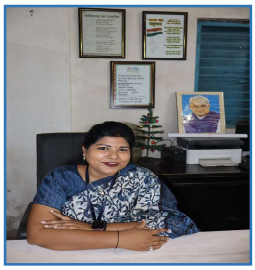

Dr. Priyanka Patle

Head of Department

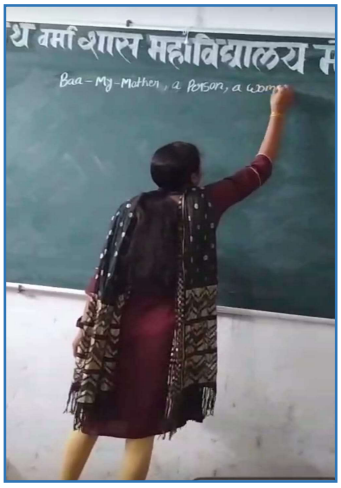

Love all, trust a few, do wrong to none.

वनस्पति विज्ञान विभाग

युवराज सिंह दीक्षित

विभागाध्यक्ष

पृथ्वी का एक बड़ा भाग वनस्पतियों से आच्छादित है। जो हमें ऑक्सीजन, भोजन, औषधि और अन्य अनेक आवश्यक वस्तुएं प्रदान करती है। विश्व भर में फैली ये घनी हरियाली विभिन्न प्रकार के स्वरूपों, रंगो, जीवन शैली और उपयोगों को समेटे हुए है।

"वनस्पति विज्ञान" पौधों के जीवन का वैज्ञानिक अध्ययन वनस्पति विज्ञान के अंतर्गत किया जाता है। वनस्पति विज्ञान में पौधों की संरचना, गुणधर्म, जीवन प्रक्रियाएं, वर्गीकरण, रोग और पर्यावरणीय प्रभाव एवं अंतः क्रियाएं शामिल है। इसे पादप विज्ञान भी कहा जाता है। यह प्राकृतिक विज्ञान और जीव विज्ञान की वह शाखा है, जो पौधों की शारीरिक संरचना, नामकरण व पारिस्थितिकी का अध्ययन करती है। एक वनस्पति वैज्ञानिक या पादप विज्ञानी वह वैज्ञानिक होता है, जो इस क्षेत्र में विशेषज्ञता रखता है।

वनस्पति विज्ञान के अध्ययन का उद्देश्य कृषि, पारिस्थितिकी, बागवानी और पर्यावरण सहित कई क्षेत्रों में समस्याओं को हल करने के लिए पौधों का वर्तमान ज्ञान का विस्तार और वृद्धि करना है। जिसका प्रभाव विज्ञान, चिकित्सा और पर्यावरण के क्षेत्रों पर पर पड़ता है।

वर्तमान में तकनीकी वनस्पति विज्ञान से जीवन के मूलभूत तत्वों ऊर्जा, कार्बन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन और जल के वैश्विक चक्रण में प्राथमिक उत्पादों के रूप में पौधों की भूमिका और वे कार्य जिनसे हमारी पादप प्रबंध संसाधन, संरक्षण, मानव खाद्य सुरक्षा, कार्बन पृथक्करण जलवायु परिवर्तन और स्थिरता की वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों को संबोधित करने में मदद कर सकती है।

आधुनिक वनस्पति विज्ञान प्रौद्योगिकी व पादप विज्ञान सहित अन्य क्षेत्रों का व्यापक विषय है। अनुसंधान विषयों में वृद्धि और विभेदन, प्रजनन, जैव रसायन, प्राथमिक चपापचय, रासायनिक उत्पाद, विकासवादी संबंध का अध्ययन शामिल है। कृषि विज्ञान, बागवानी विज्ञान, औषधि विज्ञान, पादप रोग विज्ञान और वानिकी क्षेत्र वनस्पति विज्ञान की व्यापक शाखाएं हैं।

पौधे मानव समाज के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौधे जलवायु और पर्यावरण परिवर्तन का प्रमुख घटक है। ग्लोबल वार्मिंग को काम करने, पृथ्वी की सतह व ओजोन परत को पराबैंगनी किरणों से सुरक्षित रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

हिंदी विभाग के कलम से

डॉ. अमित कुमार
विभागाध्यक्ष

स्व रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका–निपनिया का हिन्दी विभाग साहित्य, भाषा एवं संस्कृति के संवर्धन में सतत रूप से संलग्न एक सशक्त शैक्षणिक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित है। विभाग का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों में न केवल भाषा–बोध और साहित्यिक संवेदना का विकास करना है, बल्कि उनके व्यक्तित्व को नैतिक, सामाजिक तथा मानवीय मूल्यों से समृद्ध कर उन्हें एक जागरूक एवं उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करना भी है।

हिन्दी विभाग में नियमित अध्यापन के साथ–साथ विविध शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। संगोष्ठियाँ, व्याख्यान, वाद–विवाद, निबंध एवं कविता–पाठ जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति–क्षमता, तार्किक चिंतन तथा सृजनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। आधुनिक शिक्षण–पद्धतियों, परियोजना–कार्य एवं डिजिटल संसाधनों के समुचित उपयोग द्वारा शिक्षण को अधिक प्रभावी, रुचिकर एवं उद्देश्यपरक बनाया गया है।

शोध एवं अकादमिक उन्नयन के क्षेत्र में भी विभाग की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। विभाग के प्राध्यापकगण शोधपत्र–लेखन, संगोष्ठियों में सहभागिता तथा साहित्यिक लेखन के माध्यम से हिन्दी अध्ययन को समृद्ध कर रहे हैं। साथ ही विद्यार्थियों में शोधोन्मुख दृष्टि विकसित करने के उद्देश्य से संदर्भ–पुस्तकों के अध्ययन, लेखन–अभ्यास तथा आलोचनात्मक चिंतन को विशेष महत्त्व दिया जाता है।

हिन्दी विभाग सामाजिक एवं सांस्कृतिक दायित्वों के प्रति भी सजग है। हिन्दी दिवस, मातृभाषा संरक्षण, गांधी जयंती तथा विविध सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास किया जाता है। पठन–संस्कृति के विस्तार हेतु पुस्तकालय के उपयोग को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

आगामी समय में हिन्दी विभाग का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ कौशल–आधारित शिक्षण, शोध गतिविधियों के विस्तार तथा नवाचार को और अधिक सुदृढ़ करना है। दृढ़ विश्वास है कि हिन्दी विभाग महाविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निरंतर उन्नति एवं प्रगति के नवीन सोपान स्थापित करता रहेगा।

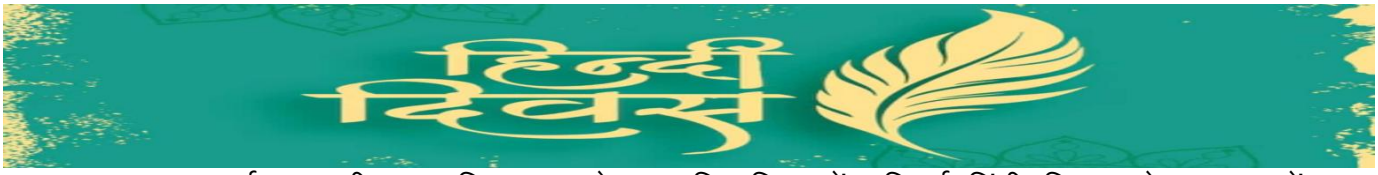

स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका–निपानिया में प्रतिवर्ष हिंदी दिवस के उपलक्ष में 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है इसके अलावा 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है। हिंदी दिवस एवं विश्व हिंदी दिवस के अवसर परडॉ अभिलाषा सैनी प्राचार्य के निर्देशन में डॉ अमित कुमार विभागाध्यक्ष के द्वारा महाविद्यालय में गीत, भाषण, निबंध, पोस्टर, वाद–विवाद, कविता, पाठ आदि साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। साथ ही व्याख्यान हेतु प्राध्यापक को आमंत्रित किया जाता है। इस दौरान विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति एवं लेखन क्षमता में वृद्धि करने के लिए हिंदी विभाग अग्रणी भूमिका निभाता है।

जो अपनी मातृभाषा पर गर्व करता है, वही अपनी पहचान को संजोता है।

हिंदी केवल भाषा नहीं, भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है

भौतिकी विभाग: विज्ञान की रीढ़

भौतिकी (Physics) विज्ञान की वह मूल शाखा है, जो प्रकृति के आधारभूत नियमों को समझने का प्रयास करता है।

विभाग का उद्देश्य

भौतिकी विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना, तार्किक सोच को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक से जोड़ना है। यहाँ सिद्धांत (Theory) और प्रयोग (Practical) दोनों पर समान बल दिया जाता है।

भविष्य की संभावनाएँ

भौतिकी विभाग से अध्ययन करने वाले विद्यार्थी शिक्षा, अनुसंधान, इंजीनियरिंग, अंतरिक्ष विज्ञान, परमाणु ऊर्जा, डेटा साइंस तथा प्रतियोगी परीक्षाओं (NET, GATE, JEST, BARC, UPSC आदि) में उत्कृष्ट भविष्य बना सकते हैं।

दुर्योधन निषाद

विभागाध्यक्ष

कण–कण में छिपा है
नियमों का संसार,

गति की हर रेखा कहती
है समय का उपहार।

ऊर्जा रूप बदलती, नष्ट
कभी न हो पाए,

न्यूटन की सोच से ब्रह्मांड
समझ आए।

प्रकाश की किरणें सत्य का
मार्ग दिखाएँ,

तरंग और कण बन रहस्य
सुलझाएँ।

बल, द्रव्यमान, वेगकृसब
रिश्तों के सूत्र,

भौतिकी सिखाए जीवन का
संतुलित रूप।

तारों की चाल से धरती
की गति,

ज्ञान की इस यात्रा में
छिपी है प्रगति।

विज्ञान दिवस एवं कलाकारी

मोपका महाविद्यालय में नवीन कक्षाओं का हो रहा संचालन

रायपुर से आए टीम ने किया निरीक्षण

भाटापारा , 21 सितंबर (देशबन्धु)। मोपका निपनिया स्थित स्व. रामनाथ वर्मा शास. महाविद्यालय में शनिवार को बीएससी (जीवविज्ञान) भाग 2 के नए कक्षाओं के संचालन को लेकर रायपुर से बाह्य निरीक्षक की टीम महाविद्यालय पहुंची। निरीक्षण के बाद प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी के निर्देशन पर छात्राओं के लिए ज्ञान विज्ञान पर चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम का भी आयोजन महाविद्याल में किया गया था।

कार्यक्रम के दौरान पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से आए बायो टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. के.के साहू ने मोबाईल टेक्नोलॉजी के माध्यम से विज्ञान को समझने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। वही शासकीय डी.बी. कॉलेज रायपुर के डॉ. जयनारायण वर्मा ने छात्र-छात्राओं को एन.ई.पी. होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दिया। साईंस कॉलेज रायपुर की प्राध्यापक डॉ. सीमा गुप्ता ने महिला शिक्षा पर विशेष बल दिया। साथ ही निरीक्षण के लिए आए टीम ने वार्षिक संबद्धता के संबंध में महाविद्यालय के संबंधित विभाग को निर्देशित किया एवं छात्र-छात्राओं के हित में जो पठन पाठन में कमियां है उसे दूर करने के निर्देश दिए है। कार्यक्रम के बाद महाविद्यालय परिसर में वृक्षा रोपण भी किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एन.के. ध्रुव,राजा राम धुर्वे, नेहा केरकट्टा, प्रियंका पाटले, तृप्ति साव, अतिथि प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार, युवराज सिंह दीक्षित, दिगाम्बर कश्यप, सुषमा तिवारी सहित कार्यालय स्टॉफ संपत लाल साहू (सहायक ग्रेड-2), मंगलूराम निषाद (सहायक ग्रेड-3), तामेन्द्र नेताम (प्रयोगशाला तकनीशियन), इन्द्रकांत सोनवानी, खिलेश्वर, केशव प्रसाद यादव सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर आंचलिक 23-09-2024

मोपका सरकारी कॉलेज में नई कक्षाओं का हो रहा है संचालन

भास्कर न्यूज | भाटापारा

मोपका निपनिया स्थित स्व. रामनाथ वर्मा शास. महाविद्यालय में रविवार को बीएससी (जीवविज्ञान) भाग 2 की नई कक्षाओं के संचालन को लेकर रायपुर से बाह्य निरीक्षक की टीम महाविद्यालय पहुंची। निरीक्षण के बाद प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी के निर्देशन पर छात्राओं के लिए ज्ञान विज्ञान पर चर्चा परिचर्चा कार्यक्रम का भी आयोजन महाविद्याल में किया गया था।

कार्यक्रम के दौरान पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से आए बायो टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष डॉ. केके साहू ने मोबाइल टेक्नोलॉजी के माध्यम से विज्ञान को समझने के लिए छात्राओं को प्रेरित किया। वही शासकीय डीबी कॉलेज रायपुर के डॉ. जयनारायण वर्मा ने छात्र-छात्राओं को एनईपी से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दिया। साइंस कॉलेज रायपुर की प्राध्यापक डॉ. सीमा गुप्ता ने महिला शिक्षा पर विशेष बल दिया। साथ ही निरीक्षण के लिए आए टीम ने वार्षिक संबद्धता के संबंध में महाविद्यालय के संबंधित विभाग को निर्देशित किया एवं छात्र-छात्राओं के हित में जो पठन पाठन में कमियां है उसे दूर करने के निर्देश दिए है। कार्यक्रम के बाद महाविद्यालय परिसर में वृक्षा रोपण भी किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एन.के. ध्रुव,राजा राम धुर्वे, नेहा केरकट्टा, प्रियंका पाटले, तृप्ति साव, अतिथि प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार, युवराज सिंह दीक्षित, दिगाम्बर कश्यप, सुषमा तिवारी सहित कार्यालय स्टॉफ संपत लाल साहू (सहायक ग्रेड-2), मंगलू राम निषाद (सहायक ग्रेड-3), तामेन्द्र नेताम (प्रयोगशाला तकनीशियन), इन्द्रकांत सोनवानी, खिलेश्वर आदि मौजूद थे।

विज्ञान विभाग द्वारा भ्रमण

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका–निपानिया जिला बलौदाबाजार–भाटापारा के राष्ट्रीय सेवा योजना मोपका इकाई का 07 दिवसीय शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रियंका पाटले के कुशल नेतृत्व में 06 से 12 फरवरी 2025 तक ग्राम रामपुर के शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में सम्पन्न हुआ इस दौरान स्वयं सेवक द्वारा स्वच्छता संबंधित जागरूकता, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्राम वासियों को सामाजिक कुरीतियों की जानकारी दी गई साथ ही अलग अलग गलियों में श्रम दान किया गया। स्वयंसेवक द्वारा रामपुर के गांव के तालाब में स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक द्वारा रा. से. यो. दिवस, ग्राम तुर्मा में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशामुक्ति अभियान चलाया गया। गोदग्राम गुंडेलिया में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा, रजत जयंती वर्ष, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डेंगू आदि पर नाटक प्रस्तुत किया गया।

आयोजन

आदर्श ग्राम गुडेलिया में रासेयो के स्वयंसेवक ने किया नुक्कड़ नाटक का मंचन

छत्तीसगढ़ रजत जयंती 2025 तक का दिखा सफर

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय

राष्ट्रीय से
स्व. रामनाथ वर्मा श

एक दिवसीय शिविर
राष्ट्रीय सेवा योजना

आदिवासी
दिवस

गुरू–शिष्य व्यास पूजा

गणतंत्र दिवस परेड चयन शिविर का आयोजन

नईदुनिया न्यूज, भाटापारा मोपका: स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका-निपनिया में प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी के मार्गदर्शन में रासेयो इकाई की कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले द्वारा महाविद्यालय स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस परेड चयन शिविर का आयोजन किया गया। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस परेड में रासेयो के स्वयंसेवकों की सहभागिता के लिए यह शिविर आयोजित किया जाता है। इस शिविर के माध्यम से पूरे देश से राष्ट्रीय सेवा योजना के श्रम सेवकों का चयन किया जाता है, जो 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हैं।

इस चयन परेड में प्रथम सेमेस्टर से लेकर अंतिम सेमेस्टर तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रारंभ में सभी प्रतिभागियों को 1500 मीटर दौड़ में भाग लेना पड़ा। इसके बाद फ्लैट फुट, ऊंचाई, वजन, दृष्टि क्षमता और सुनने की क्षमता का परीक्षण किया गया। मार्च पास्ट के माध्यम से स्वयंसेवकों के शारीरिक संचलन का भी परीक्षण किया गया। महाविद्यालय के रा. से. यो. के स्वयंसेवकों में सुमन ध्रुव, सुमन सतनामी, गौरी यदु, माया और ज्योति साहू शामिल थे। वरिष्ठ स्वयंसेवक राकेश कुमार और प्रीतम निषाद ने भी चयन प्रक्रिया में भाग लिया। चयनित स्वयंसेवकों में सुमन सतनामी (द्वितीय सेमेस्टर), माया (प्रथम सेमेस्टर) और ज्योति साहू (द्वितीय सेमेस्टर) का चयन किया गया।

इन सभी चयनित स्वयंसेवकों को 29 अगस्त को शासकीय दाऊ कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार में उपस्थित होना होगा। प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने से युवाओं में देश प्रेम की भावना जागृत होती है। कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले ने इस आयोजन का सफल संचालन किया।

महाविद्यालय स्तरीय परेड शिविर में तैयारी करते विद्यार्थी। ● नईदुनिया

संविधान दिवस पर समूह में प्रस्तावना का वाचन

नईदुनिया न्यूज, भाटापारा : भारत का संविधान राष्ट्र के लिए सर्वोच्च ग्रंथ है इसी भावना के साथ स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय,मोपका-निपनिया में संविधान दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी के मार्गदर्शन में महाविद्यालय परिसर से ग्राम मोपका के अम्बेडकर चौक में पहुँचकर संविधान दिवस मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्राध्यापकों एवं छात्राओं द्वारा सामूहिक रूप से भारतीय संविधान की प्रस्तावना के वाचन से हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने बताया कि 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान अंगीकृत किया गया था, जबकि 26 जनवरी 1950 से यह पूर्ण रूप से लागू हुआ। भारतीय संविधान विश्व के सबसे विस्तृत एवं सर्वसमावेशी संविधानों में से एक है, जिसमें मौलिक अधिकार, कर्तव्य, नीतिगत निर्देशक तत्व तथा शासन की तीनों संस्थाओं—विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका—की संरचना और शक्तियों का विस्तृत उल्लेख है। छात्रों को संबोधित करते हुए यह भी कहा गया कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। संविधान दिवस मनाने का उद्देश्य नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक सिद्धांतों और अधिकार-कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

कार्यक्रम के दौरान "विकासशील भारत—सशक्त नागरिक" विषय पर निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थिनी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही उपस्थित छात्र-छात्राओं को मूल कर्तव्यों के पालन की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले, सहायक प्राध्यापक एन.के. ध्रुव, राजा राम धुर्वे, नेहा केवेकेट्टा, डॉ. अमित कुमार, युवराज सिंह दीक्षित, दुर्योधन निषाद, रोशनी अग्रवाल, तथा सहायक ग्रेड-2 संपत साहू उपस्थित रहे।

मोपका कॉलेज में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। ● नईदुनिया

मोपका कालेज में नशामुक्ति कार्यक्रम का आयोजन

नईदुनिया न्यूज, भाटापारा : कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग द्वारा स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका में नई दिशा अभियान के तहत नशे से मुक्ति हेतु जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नशे के दुष्प्रभाव एवं नशे से होने वाली परेशानियों के बारे में छात्रों को अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशामुक्ति हेतु क्यू.आर.कोड के माध्यम से प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया। साथ ही जिला चिकित्सालय से नशे के दुष्परिणाम में मनोविकास हेतु परामर्श, रोजगार हेतु हम होंगे कामयाब के तहत जिला प्रशासन द्वारा संचालित पोर्टल में स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका में नशामुक्ति पर कार्यक्रम का आयोजन। क्यू.आर. स्कैन में पंजीयन, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला उत्पीड़न, लैंगिग अपराध के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा कैसे उनकी संभावनाओं का नाश करता है। इनसे अपील की गई कि वे स्वयं ही नशे से दूर रहें, साथ ही अपने आसपास के लोगों व वातावरण को नशे से दूर रखने का संकल्प लें। देश, राज्य व स्वयं की उन्नति नशे से दूर रहने से ही हो सकती है।

पत्रिका

एनएसएस का स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव और नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो अभियान

भाटापारा @ पत्रिका. स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका-निपनिया, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम आरगांव करहीबाजार में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर की शुरुआत में स्वयंसेवकों ने एनएसएस के मूल मंत्र "नॉट मी बट थी" की भावना के साथ जनसेवा की प्रतिज्ञा दोहराई। कार्यक्रम अधिकारी ने स्वयंसेवकों को सामाजिक उत्तरदायित्व और नेतृत्व क्षमता विकसित करने हेतु प्रेरित किया। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत किया और महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। दिनभर चले इस शिविर

में स्वयंसेवकों ने अमकोनी की नदी के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया। कचरा संग्रहण, नाली सफाई और सार्वजनिक स्थानों की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। साथ ही 'स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव', 'नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" जैसे नारों के साथ गांव में रैली निकाली गई। महिलाओं को जागरूक करने हेतु सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया।

स्वयंसेवकों ने सामूहिक रूप से भोजन तैयार कर परोसा और पारंपरिक देसी खेलों में भाग लेते हुए उत्साहपूर्ण माहौल बनाया। बाल दिवस एवं प्राचार्य के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित यह शिविर छात्रों के सर्वांगीण विकास और सामाजिक जागरूकता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में सहायक प्राध्यापक नेहा करकेट्टा, डॉ. अमित कुमार, युवराज दीक्षित, डॉ. सुनीता पटेल, दुर्योधन निषाद, संपत साहू, तमेंद्र नेताम और इंदकांत सोनवानी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने स्वयंसेवकों को अनुशासन, टीमवर्क तथा समाज सेवा के महत्व से अवगत कराया।

17/11/2025 | Raipur Zila | Page : 10
Source : https://epaper.patrika.com/

एनएसएस दिवस | 24 सितंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना की स्मृति में होता है आयोजन

युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाता है एनएसएस

नईदुनिया न्यूज, भाटापारा, मोपका: रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका-निपनिया में प्राचार्य डा. अभिलाषा सैनी के मार्गदर्शन में रासेयो इकाई कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हर वर्ष 24 सितंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ लक्ष्य गीत, राजकीय गीत और स्वामी विवेकानंद जी पर माल्यार्पण के साथ किया गया।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, साक्षरता, नशा मुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता एवं रक्तदान जैसे विषयों पर शपथ ली। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, भाषण और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से यह संदेश दिया कि युवा समाज परिवर्तन के सबसे बड़े आधार हैं। मुख्य अतिथि नरेंद्र देव मिर्जा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनाने का सशक्त मंच है।

मोपका कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी व प्राध्यापगण। ● नईदुनिया

प्राचार्य ने कहा कि एनएसएस प्रारंभ की गई थी। गणतंत्र दिवस परेड युवाओं को शैक्षणिक और सामाजिक के लिए चयनित स्वयंसेवकों को दृष्टि से सशक्त बनाता है। इनके ध्रुव ने सम्मानित किया गया। कार्यक्रम एनएसएस का इतिहास और उद्देश्य अधिकारी प्रियंका पाटले ने एनएसएस के बताते हुए कहा कि यह योजना 1969 में मूल उद्देश्य को छात्रों में सामाजिक सेवा महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी पर की भावना जागृत करना बताया।

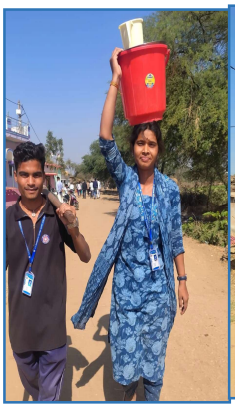

राष्ट्रीय सेवा योजना का राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर एवं राष्ट्रीय साहसिक शिविर में सहभागिता

स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका–निपानिया, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ प्रियंका पाटले, स्वयंसेवक सुमन ध्रुव (बी. ए. तृतीय वर्ष) एवं टेशू निषाद (बी. एस. सी. तृतीय वर्ष) का चयन राज्य स्तरीय सात दिवसीय शिविर 2025 के लिए हुआ। यह शिविर शासकीय दाऊ कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार भाटापारा में 22 से 28 जनवरी तक आयोजित हुआ। माया ध्रुव का चयन 10 से 19 नवंबर 2025 तक मनाली में आयोजित राष्ट्रीय साहसिक शिविर के लिए किया गया है। यह शिविर उच्च शिक्षा युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एलाइड स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित किया गया।

उपलब्धि

10 से 19 नवंबर तक मनाली, हिमाचल प्रदेश में हो रहा है आयोजन

साहसिक शिविर के लिए माया ध्रुव का हुआ चयन

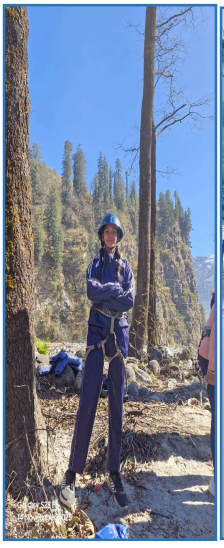

पुस्तकालय

पुस्तकालय ज्ञान का सागर है। यह वह स्थान है जहाँ व्यक्ति अपनी जिज्ञासाओं को शांत कर सकता है और ज्ञान की नई दिशाएँ प्राप्त कर सकता है। पुस्तकालय मानव सभ्यता की प्रगति का प्रतीक है, क्योंकि यहीं से शिक्षा, संस्कृति और विचारों का प्रसार होता है। पुस्तकालय ज्ञान, संस्कृति और सभ्यता का भंडार है। यह वह स्थान है जहाँ ज्ञान की किरणें मनुष्य के जीवन को आलोकित करती हैं। पुस्तकालय न केवल पुस्तकों का संग्रह होता है, बल्कि यह मानव विचारों, अनुभवों और सृजनात्मक अभिव्यक्तियों का जीवंत केंद्र भी है। यहाँ व्यक्ति अपने बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त करता है।

पुस्तकालय- वह स्थान जहाँ पुस्तकों का संग्रह एवं संरक्षण किया जाता है। प्राचीन काल में भारत के नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालयों के पुस्तकालय ज्ञान के महान केंद्र थे, जहाँ दूर–दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। आज के आधुनिक युग में पुस्तकालयों का स्वरूप बदल गया है। अब पुस्तकालय केवल मुद्रित पुस्तकों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि डिजिटल पुस्तकों, ई–पत्रिकाओं, और ऑनलाइन डाटाबेस तक विस्तृत हो चुके हैं।

भारत में पुस्तकालय का इतिहास- भारत में पुस्तकालयों की परंपरा अत्यंत प्राचीन है। नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों में विशाल पुस्तकालय थे, जहाँ लाखों पांडुलिपियाँ सुरक्षित थीं। मध्यकाल में मुगलों ने भी अनेक पुस्तकालय स्थापित किए, जिनमें अकबर का फतेहपुर सीकरी पुस्तकालय प्रसिद्ध था। ब्रिटिश काल में आधुनिक पुस्तकालय प्रणाली का आरंभ हुआ और 1836 में कोलकाता सार्वजनिक पुस्तकालय की स्थापना हुई। लोगों को पढ़ने के लिए इसे मार्च 1836 ई. में खोला गया। 1844 में तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड मेटकॉफ ने एक बड़े भवन मे स्थानातरण कर दिया। 1857 में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम भड़कने के बाद यूरोपीय समुदायों ने पुस्तकालय को अनुदान देना बंद कर दिया और 1859 ई. में इस पुस्तकालय को कलकत्ता नगरपालिका ने अपने प्रबंधन मे लिया। स्वतंत्रता के बाद राजा राममोहन राय पुस्तकालय फाउंडेशन की स्थापना से पुस्तकालयों का विस्तार हुआ। आज भारत डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से ज्ञान की परंपरा को आगे बढ़ा रहा ।

पुस्तकालय का महत्त्व- पुस्तकालय व्यक्ति में अध्ययन की आदत, अनुशासन और चिंतनशीलता को विकसित करता है। यह न केवल जानकारी का स्रोत है, बल्कि यह व्यक्ति के चरित्र और व्यक्तित्व के निर्माण में भी सहायक होता है। महान विचारक **डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन** ने कहा था कि "पुस्तकें हमारे सच्चे मित्र हैं।" वास्तव में, पुस्तकालय इन मित्रों का संग्रहालय है। पुस्तकालय किसी भी समाज की प्रगति का आधार है। हमें पुस्तकालयों की रक्षा करनी चाहिए और अधिक से अधिक लोगों को पढ़ने की प्रेरणा देनी चाहिए। आधुनिक युग में भी पुस्तकालय का महत्व कम नहीं हुआ है बल्कि यह अब ज्ञान और तकनीक के संगम का केंद्र बन गया है। पुस्तकालय में विविध विषयों की पुस्तकों का भंडार होता है। इतिहास, भूगोल, विज्ञान, साहित्य, दर्शन, राजनीति, धर्म आदि। यहाँ आने वाला हर पाठक अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकों का अध्ययन कर सकता है।

डिजिटल युग में पुस्तकालय- आज के सूचना–प्रौद्योगिकी युग में पुस्तकालयों का स्वरूप भी आधुनिक हो चुका है। अब ई–पुस्तकालय और डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से इंटरनेट पर हजारों पुस्तकें, पत्रिकाएँ और शोध–पत्र उपलब्ध हैं। इससे अध्ययन की सीमाएँ समाप्त हो गई हैं। अब कोई भी व्यक्ति कहीं से भी ज्ञान प्राप्त कर सकता है। फिर भी पारंपरिक पुस्तकालयों की महत्ता बनी हुई है, क्योंकि वहाँ व्यक्ति को अध्ययन का एकाग्र वातावरण और पुस्तक का स्पर्श मिलता है, जो डिजिटल माध्यमों में संभव नहीं।

पुस्तकालय और समाज- पुस्तकालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि यह समाज के नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों का रक्षक भी है। यह विभिन्न विचारों, मतों और संस्कृतियों के बीच संवाद की भूमिका निभाता है। गाँवों और कस्बों में स्थापित सार्वजनिक पुस्तकालय समाज में शिक्षा का प्रसार करते हैं और निरक्षरता को कम करने में योगदान देते हैं। पुस्तकालय जितने समृद्ध होंगे, समाज उतना ही ज्ञानवान और प्रगतिशील बनेगा।

महाविद्यालय में पुस्तकालय- महाविद्यालय में पुस्तकालय का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह छात्रों और शिक्षकों के लिए ज्ञान का भंडार होता है। जहाँ विभिन्न विषयों की पुस्तकें, पत्रिकाएँ और संदर्भ सामग्री उपलब्ध रहती हैं। पुस्तकालय अध्ययन, अनुसंधान और आत्मविकास का केंद्र है जो विद्यार्थियों में पठन–पाठन की रुचि बढ़ाता है। यह परीक्षा की तैयारी, परियोजना कार्य और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी जानकारी प्रदान करता है। साथ ही, पुस्तकालय अनुशासन, समय प्रबंधन और आत्मनिर्भर अध्ययन की आदत विकसित करता है। इस प्रकार, महाविद्यालय का पुस्तकालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाता है। पुस्तकालय छात्रों में अध्ययन की प्रवृत्ति को बढ़ाता है और उसे जिज्ञासु, अनुशासित तथा विचारशील बनाता है। यह एक शांत और प्रेरक वातावरण प्रदान करता है, जहाँ छात्र अपनी कल्पना और विचारों की उड़ान भर सकता है।

स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका निपनिया में पुस्तकालय शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। यहां 6000 से भी अधिक पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, शोध पत्रिकाएँ आदि उपलब्ध है। यह छात्रों को पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ ग्रंथ, शोध पत्रिकाएँ और डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराता है। छात्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें पुस्तकालय का सही उपयोग करना, पुस्तकों का सम्मान करना और उन्हें निर्धारित समय पर लौटाना चाहिए। यहाँ अध्ययन करके छात्र अपने ज्ञान, अनुसंधान क्षमता और बौद्धिक विकास को बढ़ाते हैं। पुस्तकालय में अनुशासन बनाए रखना और अध्ययन के लिए शांति सुनिश्चित करना भी उनकी जिम्मेदारी है। इस प्रकार, छात्र और पुस्तकालय दोनों मिलकर शिक्षा की गुणवत्ता में योगदान देते हैं।

पुस्तकालय में छात्र की भूमिका- पुस्तकालय ज्ञान का भंडार होता है, और छात्र इसकी आत्मा माने जाते हैं। पुस्तकालय में छात्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। छात्र पुस्तकालय की पुस्तकों, पत्रिकाओं, समाचारपत्रों और संदर्भ ग्रंथों का अध्ययन करके अपने ज्ञान को समृद्ध करते हैं। उन्हें पुस्तकों का सम्मान करना, उन्हें सही समय पर लौटाना और शांति बनाए रखना चाहिए। छात्र पुस्तकालय से अध्ययन की आदत, अनुशासन और शोध की प्रवृत्ति विकसित करते हैं। इस प्रकार, पुस्तकालय का सही उपयोग करके छात्र अपने व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

पुस्तकालय ज्ञान और अध्ययन का महत्वपूर्ण केन्द्र है। यह न केवल पुस्तकों का भंडार है, बल्कि छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए मार्गदर्शन का स्रोत भी है। पुस्तकालय से शिक्षा में रुचि बढ़ती है, अनुसंधान की क्षमता विकसित होती है और बौद्धिक सोच में सुधार होता है। छात्रों का कर्तव्य है कि वे पुस्तकालय का सही उपयोग करें, पुस्तकों का सम्मान करें और अनुशासन बनाए रखें। शिक्षक और पुस्तकालय स्टाफ का सहयोग भी आवश्यक है। पुस्तकालय केवल अध्ययन का स्थान नहीं, बल्कि ज्ञान के सृजन और सांस्कृतिक विकास का केंद्र है। इसका सही उपयोग जीवन में सफलता दिलाता है।

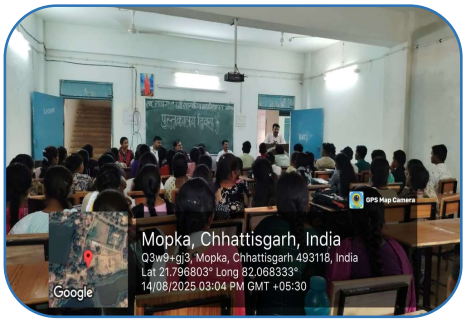

क्रीड़ा विभाग

सत्र 2025–26 में महाविद्यालय के छात्र छत्रों ने शतरंज कबड्डी टेबल टेनिस एथलेटिक्स स्पार्धाओ में परिक्षेत्र स्तरीय, अंतर महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं में भाग लिया, अमित कुमार ने कबड्डी में विश्वविद्यालय स्तर पर खेलकर महाविद्यालय का नाम रोशन किया, बलौदाबाजार में अयोजित 25 किलोमीटर राष्ट्रीय साइक्लोथॉन प्रतियोगिता में टिकेश्वरी साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं सुमन ध्रुव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, गौरव सिंह एवं ऋषभ वर्मा का भी टेबल टेनिस में बेहतर प्रदर्शन रहा।

महाविद्यालय में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्र–छात्राओं एव सभी शिक्षकों ने अपनी रुचि के अनुरूप खेल में बढ़ चढ़ कर भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त किया।

सेरेना विलियम्स (टेनिस)

"एक चैंपियन को उसकी जीत से नहीं, बल्कि गिरने के बाद दोबारा उठने की क्षमता से पहचाना जाता है।"

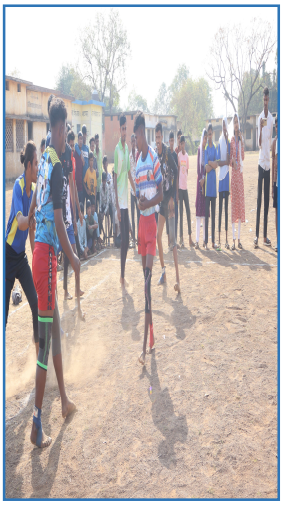

सांसद खेल महोत्सव 2025

सांसद खेल महोत्सव 2025 के भव्य आयोजन में खेल प्रभारी नेहा केरकेट्टा के कुशल मार्गदर्शन में छात्राओं द्वारा भाग लिया गया इसका उद्देश्य युवाओं में खेल भावना जागृत करना और ग्रामीण इलाकों तक खेल संस्कृति को पहुंचना था।

पत्रिका

विजेता प्रतिभागियों को दिया गया पुरस्कार राशि का चेक व मेडल

साइक्लोथॉन : बलौदाबाजार के दिव्यांशु और टिकेश्वरी ने मारी बाजी

सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व मेडल प्रदान किया

29/09/2025 | Raipur Zila | Page : 9
Source : https://epaper.patrika.com/

पर्यावरण की समस्या एवं समाधान

"सब गुनाहगार हैं कुदरत के कत्ल में यूँही ये हवाएं जहरीली नहीं हुई।"

पर्यावरण को मनुष्यों द्वारा की गई विभिन्न मानवीय गतिविधियों जैसे प्रदुषण, वनों की कटाई और जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक उपयोग से नुकसान पहुंचा है। इससे जलवायु परिवर्तन,मिट्टी का क्षरण, जैव विविधा का नुकसान और वायु एवं जल प्रदुषण जैसी गंभीर समस्याएँ पैदा हुई है। औद्योगिक और शहरी गतिविधियों से निकलने वाला धुआँ, वाहन प्रदुषण और प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग हवा को प्रदुशित करते है। निर्माण कार्य और कृषि के लिए जंगलो को काटने से कार्बन सोखने की छमता कम हो रही है और जीवों का प्राकृतिक आवास छिन जा रहा है। कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस जैसे जीवा म ईंधन जलाने से बड़ी मात्रा में ग्रीन हाउस गैसे निकलती है जो जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख कारण है। अत्यधिक रासायनिक खाद का उपयोग,एक ही तरह की फसल उगाना और चारे की अधिक कटाई से मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो रही है। बढती आबादी प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव डालती है जिससे अधिक संसाधनों का दोहन होता है। कचरा खासकर प्लास्टिक जल निकायों में पहुँचकर जीवन को भारी नुकसान पहुँचा रहा है। युध्द के दौरान औद्योगिक सुविधाओं पर हमले या फसलों के पराली को जलाना भी बड़े पैमाने पर प्रदुषण और पर्यावरण क्षति का कारण बनता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे तकनीकों के प्रशिक्षण के लिए आवश्यक भारी मात्रा में उर्जा का उपयोग भी कार्बन उत्सर्जन को बढ़ाता है। वर्तमान में इसके दुश्परिणाम देखने को मिल रहा है। जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग,अत्यधिक गर्मी और बदलते मौसम के पैटर्न,खराब वायु के कारण सांस लेने में कठिनाई, श्वसन संबंधी बीमारियां और हृदय रोग जैसे तरह–तरह की बीमारियॉ हो रही है। फसलों की पैदावारी में कमी,जलजनित बीमारियां,जानवरों और पौधों की कई प्रजातियों का विलुप्त होना आदि अनेक समस्याएँ आ रही है। मानव सभ्यता को चिर काल तक बनाएं रखने के लिए पर्यावरण का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। शासन प्रशासन स्तर पर योजना बनाकर जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसके साथ– साथ हमें व्यक्तिगत स्तर पर भी जागरूक होने की आवश्यकता है। हमें प्लास्टिक का कम उपयोग,रसायनों, का कम से कम उपयोग, अनावयक लाईट और इलेक्ट्रानिक उपकरण बंद करें। हमें कुशल प्रकाश व्यवस्था का उपयोग करना चाहिए। जब संभव हो पैदल चले, सायकल चलाएं या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। पर्यावरण संरक्षण हेतु हमें दीर्घकालिन प्रयास करना चाहिए जैसे वृक्षारोपण,जल संरक्षण, भूमि सरंक्षण,प्रदुशण नियंत्रण और जैव विविधता की रक्षा करना चाहिए। इन सभी उपायों को अपनाकर प्यावरण की रक्षा और मानव जीवन को सुखमय बना सकते है।

रोहित लाल देवॉगन
सहायक प्राध्यापक वाणिज्य
विभागाध्यक्ष

Green Chemistry: Towards a Sustainable Future

नेहा केरकेट्टा
विभागाध्यक्ष

Green chemistry is an emerging and essential branch of chemistry that focuses on designing products and processes that reduce or eliminate the use and generation of hazardous substances. In today's world, where environmental pollution, climate change, and resource depletion are major concerns, green chemistry offers practical solutions for sustainable development.

The foundation of green chemistry lies in its twelve principles, proposed by Paul Anastas and John Warner. These principles emphasize waste prevention, use of safer solvents and chemicals, energy efficiency, renewable raw materials, and the design of biodegradable products. Instead of treating pollution after it is created, green chemistry aims to prevent pollution at its source.

One of the most important contributions of green chemistry is in industrial processes. Traditional chemical industries often produce large amounts of toxic waste. Green chemistry promotes cleaner production methods, such as catalytic reactions, solvent-free synthesis, and the use of environmentally friendly catalysts. For example, replacing hazardous organic solvents with water or supercritical carbon dioxide reduces environmental and health risks.

Green chemistry also plays a vital role in pharmaceuticals, agriculture, and energy sectors. In drug manufacturing, greener synthetic routes minimize waste and reduce costs. In agriculture, the development of eco-friendly pesticides and fertilizers helps protect soil and water quality. Similarly, green chemistry supports renewable energy technologies, such as biofuels and green hydrogen, contributing to reduced dependence on fossil fuels.

Education and awareness are key to the successful implementation of green chemistry. By including green chemistry concepts in academic curricula and research, students and scientists can develop innovative and sustainable solutions for future challenges.

In conclusion, green chemistry is not just an alternative approach but a necessity for the survival of our planet. By adopting green chemistry practices, society can achieve economic growth while protecting human health and the environment, ensuring a cleaner and safer future for coming generations.

Nari! Tum kewal shraddha ho…….Oh woman! You are honour personified

Dr. Priyanka Patle

Assistant Professor

English

"Charitra jab pavitra hai, toh kyun hai yeh dasha teri….yeh papiyon ko haq nahi, ki leh pariksha teri, ki leh pariksha teri, tu khud ki khoj mein nikal, tu kis liye hatash hai, tu chal, teri wajood ki samay ko bhi talash hai" **(line by Amitabh Bachhan "Pink" movie)**

Gender based discrimination and gender stereotypes are omnipresent. It is a most pervasive barrier and also societal expectation on of women's role. we know country as diverse and complex as India, the journey toward women empowerment has been a mix of challenges and triumphs. Historically Indian Society has been rooted in patriarchal traditions, but the winds of change have been blowing steadily, we seen a little bit changes women led to be strong as a resilient women. Patriarchal society towards women based society. Women breaks many stereotypes as a powerful, progressive women. There are many domestic turmoil also which is resolving day by day. Sometimes, In India girls are considered as a 'burden' in the societal perception, frequently *"Paraya Dhan"* is characterize girls which *'Paraya'* translates to *"not one's own"*, while *"Dhan"* conveys the *"idea of property and wealth"*. It symbolizing the cultural belief that girls are meant to transition from being under the ownership of their father to that of their husband upon marriage.

Women were also considered as a less worthy than men and are still objects used for the pleasure of men. They are especially used as an *'objects'* and *'toys'* played by the patriarchal society. There are many writers not only female writers but also a male writers who expresses their views as for examples, Jai Shankar Prasad, depicted women as strong glorified. He was also famous for his strong portrayals of women and his popular verse from one of his most widely read poems.

"Kya kehti ho thehro Naari, Sankalp ashru jal se apne, tum daan kar chuki pehle hi Jeevan ke sone se sapne…. Nari! Tum kewal shraddha ho, vishwas-rajat-nag pagtal mein, piyush-srot si baha karo, jeevan ke sundar samtal mein…."

When we talk about the society they discriminates people on the basis of caste, class, creed, religion, color and gender and give a vertical division of society. Sometimes the ladders of hierarchy based on the patriarchal social system where lower is always dominated by upper, discrimination provides a platform of oppression and exploitation. I want to focused upon the voice of women which is always suppressed by the patriarchal society. We also know that society did not accept a female dominated society because for a traditional thoughts . In somewhat people changes, but thought never changes . But, we have to bring 'Gender Equality' not inequality in society.

"I hate men who are afraid of women's strength."

"A woman without a man is like a fish without a bicycle."
– **Irina Dunn**

"Men are afraid that women will laugh at them. Women are afraid that men will kill them."
– **Margaret Atwood**

"You educate a man; you educate a man. You educate a woman; you educate a generation."

Gender equality is the foremost and primary human right. It grows in future and touch the peak. Women are equally entitled to live in freedom as well as dignity. Empowering women is an effective tool for reducing poverty and advancing development. But in future, female are equally to male. Modern thoughts are far different than a Traditional thoughts and we can also hope after that being a human it can change the world. We know that men and women are not equally in society, when boy child is born in society then they are happy and celebrate their happiness with others and when girl child is born , then happiness transfers into a sadness. The best example is the bollywood movie ' Badrinath Ki Dulhania' I think we all have seen , when movie starts it shows in first that Male is equal to 'Asset' and Female is equal to 'Liability'. In real sense we can say that existence of female was no where. When girl child was born , that time onwards it is decided that girl is born only for cooking and serving in households. Now, little bit the scenerio of society changes but in middle class family they did not sent their girl child to school for studying , they already decided that she is living in house upto the age of sixteen, after sixteen they married their girl to the man who was older then her. They only sent their boy child to school. There was a idiom in Hindi that **' LADKI JITNA BHI PADH LE CHULHA CHAUKA HI KAREGI'** , yes it is a right that girl is born only for the cooking , but in my point of view education is also important to survive and to lead her life. The best future plan is that ' to educate every girl child' , without education nothing can change. Now we can see that the mentality of the parents are changed , they sent their girls to school for higher education, they also permitted for future security like job. Now , females are the rising stars of the parents.

There are also many female characters in India who is called as a great achievers of India and many movies are also there in their life like 'MaryKhom' , 'Dangal' , 'Neerja' etc. This all movies depicted the great lady and these all are the great inspiration for the female. Women is a 'Sufferer' or 'marginalized' in a simple word , we sometimes seen in our families also like mother is under the authority of father when she married , and when child grows then she is under her son , and in her old age she is under her grandson , in this way cycle of suffering goes on. From home to office they suffers a lot. Before marriage a girl is under her father and after marriage husband , son , grandson etc. We seen the gender equality mainly in a workplace also where women suffers a lot. There are also another area , where we seen gender equality is in the right to vote. Women in Saudi Arabia does not have the right to vote. A critical aspect of promoting gender equality is the empowerment of women to manage their own lives and personal ambitions. The roles that men and women play in society are not biologically determined but they are socially determined. The discrimination of masculine and feminine is not a biological but it is a socially differences. When we say male then the opposite came in our mind like Female , this all are set up in our mind because we are culturally adopted.

"I raise up my voice – not so I can shout, but so that those without a voice can be heard…..we cannot succeed when half of us are held back." **– MALALA YOUSAFZAI**

आयुर्वेदिक जीवन शैली

युवराज सिंह दीक्षित
वनस्पति शास्त्र

आयुर्वेद का शाब्दिक अर्थ "जीवन का विज्ञान" है। यदि मनुष्य स्वस्थ जीवन जीने की कामना रखता है तो आयुर्वेद जीवन शैली के द्वारा इसे संतुलित बनाए जा सकता है। हमारा शरीर पूरी तरह से स्वस्थ रहे इसके लिए हमें बेहतर आहार, योग, डिटॉक्सिफिकेशन, हर्बल उपचार, मेडिटेशन और बेहतर जीवन शैली आदि पर ध्यान देना चाहिए। आयुर्वेद लोगों के जीवन को स्वस्थ और संतुलित बनता है।

आयुर्वेद के मतानुसार संपूर्ण मानव शरीर पांच तत्वों से मिलकर बना होता है, वायु, जल, आकाश, पृथ्वी और अग्नि। यह पांच तत्व आयुर्वेद में "पंच महाभूत" कहलाते हैं। आयुर्वेद के तहत मानव शरीर के तीन मूल दोष वात,पित्त और कफ सामूहिक रूप से "त्रिदोष" कहलाते हैं । मानव शरीर में सप्त धातु रस, मेदा, रक्त, अस्थि, मज्जा, मांस और शुक्र उपस्थित होते हैं । शरीर के तीन अपशिष्ट उत्पाद मूत्र, मल व पसीना होते हैं। मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए प्रत्येक दिन इन सभी घटकों का संतुलन बनाए रखना ही हितकर हो सकता है ।

स्वास्थ्य संबंधित सभी समस्याओं के लिए प्राकृतिक उपचार आयुर्वेद का मूल आधार है। विभिन्न जड़ी बूटियों में औषधि गुण होते हैं, जो विभिन्न रोगों से लड़ने के लिए मनुष्य की प्रतिरक्षा तंत्र या इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं। स्वस्थ व संतुलित जीवन शैली के लिए मनुष्यों को निम्नलिखित बिंदुओं का अनुसरण सदैव करना चाहिए :

(1) ब्रह्म मुहूर्त में जागना
(2) व्यायाम या योग
(3) संयमित नित्य कर्म
(4) ध्यान/उपासना
(5) संतुलित व पौष्टिक आहार
(6) संतुलित निंद्रा

मुख्य बिंदुओं के अलावा कुछ अन्य महत्वपूर्ण बातों पर भी संतुलन बनाए रखना जरूरी होता है जैसे:

(1) सकारात्मक विचारधारा
(2) स्वयं पर विश्वास
(3) आत्मीय संतुष्टि
(4) शारीरिक कार्यों की क्रिया
(5) शारीरिक सुरक्षा का ध्यान

उपर्युक्त सभी बातें मनुष्य को बेहतर जीवन शैली प्रदान करने में मदद करती है स जिसका अनुसरण करके मनुष्य एक स्वस्थ जीवन के मालिक और लंबी उम्र का वरदान भी प्राप्त कर सकते हैं।

शिक्षा की अलख जगाता हमारा महाविद्यालय

आज के युग में, जब शिक्षा को सामाजिक और आर्थिक विकास की सुदृढ़ आधारशिला माना जाता है, तब ग्रामीण अंचलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार नितांत आवश्यक हो गया है। शिक्षा वह आलोक है, जो अज्ञान के घोर अंधकार को विदीर्ण कर समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर करता है। जब यह प्रकाश ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचता है, तब वह केवल व्यक्ति के जीवन को ही नहीं, अपितु संपूर्ण क्षेत्र के भविष्य को उज्ज्वल करने का कार्य करता है।

इसी भावधारा को साकार करता हुआ छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार–भाटापारा जिले के मोपका–निपनिया ग्राम में स्थित स्वर्गीय रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय आज ग्रामीण शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। यह महाविद्यालय मात्र शैक्षणिक संस्थान नहीं है, बल्कि ग्रामीण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का सशक्त माध्यम बन चुका है, जो उन्हें नवीन दिशाएँ और संभावनाएँ प्रदान करता है।

यह महाविद्यालय उन विद्यार्थियों के लिए आशा का केंद्र है, जो संसाधनों के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते थे। इसकी स्थापना का मूल उद्देश्य उन छात्रों तक शिक्षा की ज्योति पहुँचाना रहा है, जो आर्थिक, भौगोलिक अथवा सामाजिक कारणों से नगरों में स्थित शिक्षण संस्थानों तक नहीं पहुँच पाते। सीमित साधनों के बावजूद यहाँ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और संस्कारों का अद्भुत समन्वय दृष्टिगोचर होता है।

स्थापना के अल्पकाल में ही इस महाविद्यालय ने अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की है। इन उपलब्धियों के मूल में महाविद्यालय की कुशल प्राचार्या डॉ. अभिलाषा सैनी जी का अथक परिश्रम, दूरदृष्टि और समर्पण निहित है। उनके सतत प्रयासों के फलस्वरूप यह नवस्थापित महाविद्यालय अपेक्षाकृत कम समय में ही शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर हुआ है। आज यहाँ वे सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो प्रायः नवीन शासकीय महाविद्यालयों में दुर्लभ होती हैं। उनके सक्षम नेतृत्व और मार्गदर्शन ने न केवल विद्यार्थियों को, बल्कि प्राध्यापकों को भी प्रेरणा और उत्साह प्रदान किया है।

महाविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं अन्य विषयों की शिक्षा सरल, व्यावहारिक और रोजगारोन्मुख दृष्टिकोण से प्रदान की जाती है। यहाँ अध्ययन के साथ–साथ नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और जीवनोपयोगी संस्कारों का भी समुचित विकास किया जाता है, जिससे विद्यार्थी न केवल शिक्षित, बल्कि सुसंस्कृत और जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज के निर्माण में सहभागी बन सकें।

महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ सहशैक्षणिक एवं पाठ्येतर क्रियाकलापों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। नियमित वाद–विवाद, संगोष्ठियाँ, शैक्षिक प्रतियोगिताएँ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हाल ही में आयोजित युवा खेल महोत्सव में जिले स्तर से अनेक प्रतिभागियों ने सहभागिता कर महाविद्यालय की प्रतिभा का परिचय दिया। इसी क्रम में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर महाविद्यालय की छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिससे न केवल संस्थान का नाम गौरवान्वित हुआ, बल्कि यह उपलब्धि महाविद्यालय के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में अंकित हो गई।

महाविद्यालय के विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के अंतर्गत भी अत्यंत सक्रिय रहते हैं। विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से वे समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जागरूकता शिविर तथा ग्रामीण सेवा कार्यों में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सराहनीय रही है। इन गतिविधियों के फलस्वरूप छात्रों में सामाजिक चेतना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का उल्लेखनीय विकास हुआ है। विशेष रूप से यह महाविद्यालय ग्रामीण बालिकाओं को उच्च शिक्षा से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहाँ अध्ययनरत अनेक छात्राएँ आत्मनिर्भर बनकर शिक्षा, प्रशासन एवं सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, जो संस्थान की सार्थक उपलब्धि है।

निःसंदेह, स्वर्गीय रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्था भर नहीं है, बल्कि ग्रामीण समाज के उत्थान का सशक्त माध्यम बन चुका है। यह महाविद्यालय शिक्षा की उस ज्योति को प्रज्वलित कर रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को उज्ज्वल, सशक्त और सार्थक बनाएगी।

डॉ. अमित कुमार
हिंदी विभाग

छोटी–छोटी आदतें बड़ा सपना बनाती हैं,

हर दिन की मेहनत मंज़िल दिखाती है।

किताबों से दोस्ती कर लो यारों,

जीवन में अंधेरा फिर कभी न आएगा।

ज्ञान का दीप जलेगा तुम्हारे भीतर,

और तुम बनोगे अपनी किस्मत के चित्रकार।

कुछ अंधविश्वासों के पीछे भौतिकी का योगदान

दुर्योधन निषाद
भौतिक शास्त्र

अंधविश्वास हमारे समाज का एक अभिन्न हिस्सा रहा है, जो पीढ़ी–दर–पीढ़ी चले आ रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनमें से कई के पीछे विज्ञान, विशेषतः भौतिकी के सिद्धांत छिपा हो सकते हैं? भौतिकी हमें ऊर्जा, गति, प्रकाश और संतुलन जैसे नियमों से परिचय कराती है, जिन्हें प्राचीन काल में लोग बिना जाने अनुभव कर लिए थे। आज हम कुछ सामान्य अंधविश्वासों पर प्रकाश डालेंगे, जहाँ भौतिकी इनकी व्याख्या करती है। ये उदाहरण दिखाते हैं कि अंधविश्वास अक्सर प्रकृति के भौतिक नियमों की अनाजान समझ से जन्म लेते हैं।

1. दर्पण टूटना अशुभ होता है– अंधविश्वास–कहा जाता है कि दर्पण टूटने से दुर्भाग्य आता है।

भौतिकी का कारण– दर्पण काँच का बना होता है, जो अत्यंत भंगुर होता है। उसके टूटने का कारण यांत्रिक तनाव (Mechanical Stress) होता है, न कि कोई अशुभ शक्ति।

2. ग्रहण के समय खाना नहीं बनाना चाहिए– अंधविश्वास–ग्रहण में भोजन खराब हो जाता है।

वैज्ञानिक कारण–ग्रहण के समय सूर्य या चंद्रमा की किरणों में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होता। भोजन खराब होने का कारण बैक्टीरिया होते हैं, न कि ग्रहण।

3. काली बिल्ली रास्ता काट दे तो काम बिगड़ जाता है– अंधविश्वास– काली बिल्ली को अशुभ माना जाता है।

भौतिकी का कारण–रास्ता काटने से कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यह केवल संयोग (Probability&Coincidence) और मनोवैज्ञानिक प्रभाव है।

4. अचानक छींक आने पर काम रोक देना– अंधविश्वास–कहा जाता है कि छींक अपशकुन है।

वैज्ञानिक कारण–छींक आना शरीर की रिफ्लेक्स क्रिया (Reflex Action) है, जिसका काम नाक की गंदगी बाहर निकालना है।

5. पेड़ के नीचे सोने से आत्मा आती है– अंधविश्वास–विशेषकर पीपल के पेड़ से डराया जाता है।

भौतिकी का कारण– रात में पेड़ ऑक्सीजन नहीं छोड़ते, बल्कि CO_2 छोड़ते हैं। अधिक CO_2 से घुटन महसूस हो सकती है, जिसे डर समझ लिया जाता है।

6. भूकंप देवताओं का प्रकोप है– अंधविश्वास– भूकंप को दैवीय क्रोध माना जाता है।

भौतिकी का कारण– भूकंप पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों की गति के कारण आता है, जिसे भूकंपीय तरंगें (Seismic Waves) उत्पन्न करती हैं ।

How dinosaurs become extinct

भारती साहू

प्राणिशास्त्र विभाग

आज से करीब 100 मिलियन इयर्स 100 मिलीयन इयर्स की पहले की बात है इंसानों का नामोनिशान नहीं था और भयंकर जानवरों का राज था जिसे डायनासोर कहा जाता है !

ऐसे डायनासोर जो इतने बड़े जो एक बिल्डिंग से भी बड़े जिनका जबड़ा इतना ताकतवर जो हड्डियों को भी तोड़ सकता था जिनकी रफ्तार 100 किलोमीटर पर आवर से भी ज्यादा था !

सही मायने में दिल दहला देने वाले जानवर थे जो 170 मिलियन ईयर से ज्यादा राज किया था इस दुनिया में ! एक दिन एक ऐसी घटना होती है कि यह जानवर पूरी तरह धरती से गायब हो जाता है! 101 मिलियन ईयर पहले triassic period खत्म हुआ earth का क्लाइमेटिक अचानक चेंज होने लगा जो pangea टुकड़ों में बैठने लगे सुपर कॉन्टिनेंट में क्रैकर्स आने लगा बहुत सारे ज्वालामुखी फटने लगे जिससे कार्बन डाइऑक्साइड सल्फर डाइऑक्साइड बहुत ज्यादा मात्रा में रिलीज होने लगा और जिससे बहुत ज्यादा ग्लोबल वार्मिंग होने लगी !

जिसे सल्फर डाइऑक्साइड और एरोसोल एटमॉस्फेयर में मिले जिससे सनलाइट ब्लॉक हुआ उसके बाद cooling हो गई समुद्र की अम्लीयत भी बढ़ने लगी जब कार्बन डाइऑक्साइड तथा सल्फर डाइऑक्साइड पानी में मिलाने लगे तथा क्लाइमेटिक तेजी से चेंज होने लगा !!

और उसे समय जो एनिमल थी उसका सरवाइव करना मुश्किल होने लगा !

ज्यादातर स्पीशीज उसे समय कोल्ड ब्लडेड एनिमल थी जो ज्यादा टेंपरेचर को टॉलरेट नहीं कर पाया लेकिन जो डायनासोर से थे वार्म ब्लडेड एनिमल थी जो टेंपरेचर को सहन करना आसान था !

करीब 60000 ईयर तक यह वोल्कानिक इरप्शन चला रहा जिससे ऑलमोस्ट सारी स्पीशीज मारी गई और बच्चा तो डायनासोर ही !

इसके बाद स्टार्ट होता है जुरासिक पीरियड जो 201 मिलियन से 145 मिलियन ईयर एगो तक चला ! इस समय डायनासोर में काफी इवोल्यूशन होता है और डोमिनेंट स्पीशीज के रूप में उभरता है हर जगह डायनासोर का ही राज चलने लगा !

एक दिन कुछ ऐसा होता है कि डायनासोर हमेशा के लिए विलुप्त हो जाता है एक बड़ा सा स्टेरॉयड जिसका साइज 10 से 15 किलोमीटर धरती के तरफ तेजी से उड़ कर आता है और धरती से टकरा जाता है !

इस स्टेरॉयड का स्पीड था 30 किलोमीटर पर सेकंड जैसे ही इधर धरती पर टकराता है बहुत बड़ा धमाका होता है और बहुत ज्यादा एनर्जी रिलीज होती है और आसपास जो भी था पलक झपकते ही सब खत्म हो जाता है!

धमाके के बाद जो हवा के साथ बारिश की तरह बरसने लगता है जितने भी एनिमल द जिंदा पक जाते हैं इतनी गर्मी और आज से!इस तरह विशाल शरीर वाला डायनासोर धरती से हमेशा के लिए एक्सटिंक्ट हो गए!!!

गणित को समझने की सरल रणनीतियाँ

गणित को अक्सर कठिन, नीरस और डरावना विषय मान लिया जाता है, जबकि वास्तव में यह सोचने की एक सुंदर कला है। गणित केवल संख्याओं और सूत्रों का खेल नहीं, बल्कि तर्क, धैर्य और कल्पना का संगम है। जब छात्र किसी प्रश्न को हल करते हैं, तो वे अनजाने ही अपने मस्तिष्क को एक नई दिशा में प्रशिक्षित कर रहे होते हैं। गणित हमें समस्याओं से भागना नहीं, बल्कि उनका सामना करना सिखाता है—और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।

गणित को समझने की पहली और सबसे महत्वपूर्ण रणनीति है अवधारणाओं की स्पष्ट समझ। यदि आधार मजबूत हो, तो जटिल से जटिल प्रश्न भी सरल लगने लगते हैं। रटने की बजाय यह जानना आवश्यक है कि कोई सूत्र क्यों और कैसे कार्य करता है। उदाहरणों, आरेखों और दैनिक जीवन की घटनाओं से गणित को जोड़ने पर विषय जीवंत हो उठता है। जैसेकृखरीदारी में प्रतिशत, समय की गणना में बीजगणित और दूरी मापने में ज्यामिति का प्रयोग।

नियमित अभ्यास गणित की दूसरी कुंजी है। थोड़े–थोड़े प्रश्न प्रतिदिन हल करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और डर धीरे–धीरे समाप्त हो जाता है। गलतियों को असफलता नहीं, बल्कि सीखने का अवसर मानना चाहिए। इसके साथ ही, प्रश्नों को चरणबद्ध तरीके से हल करने की आदत विकसित करना सोच को व्यवस्थित बनाता है और समाधान तक पहुँचने का मार्ग सरल करता है।

अंततः, गणित को बोझ नहीं, बल्कि बुद्धि के मित्र के रूप में अपनाना चाहिए। जब छात्र जिज्ञासा और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ गणित से जुड़ते हैं, तो यह विषय स्वयं मार्गदर्शक बन जाता है। सही रणनीतियों, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ गणित न केवल समझ में आता है, बल्कि आनंद देने वाला विषय भी बन जाता है।

रोशनी अग्रवाल
गणित विभाग

गणित दिमाग का व्यायाम है, जितना अभ्यास करेंगे, उतना तेज़ सोचेंगे।

नारी सशक्तिकरण

भानुप्रिया नवरंगे
बी.एस.सी.
तृतीय सेमेस्टर

नारी है शक्ति, नारी है सम्मान,
उससे ही चलता है ये सारा जहान।
जननी, शक्ति, करुणा की सूरत
उससे ही सजी है जीवन की मूरत।

वो जब चाहे तो लक्ष्मी बन जाए,
घर आंगन में खुशियां बरसाए।
जब अन्याय से दिल भर जाए,
तो दुर्गा बन रण छेड आए।

वो सीता की मर्यादा संभाले,
तो झांसी की रानी बन ढाले।
हर रूप में वो अद्भुत कहानी,
नारी खुद एक जीवन रवानी।

कभी डॉक्टर, कभी अध्यापिका
कभी किसान, कभी सैनिक विरिका।
हर क्षेत्र में अपने परचम लहराया,
हर मुश्किल में खुद को आजमाया।

ना समझो उसे अबला, वो सबला है
हर दर्द में छिपा उसका हौसला है।
सम्मान दो उसको, पहचान दो उसको
हर मंजिल में स्थान दो उसको।
जब नारी को उसका अधिकार मिलेगा,
तो भारत का हर सपना साकार होगा।

सूरज की किरणों सा दमकेंगे

सुमन वर्मा
बी.एस.सी.
तृतीय सेमेस्टर

नारी को अब कमजोर न समझो,
क्योंकि उसके बिना जीवन अधूरा रहेगा।
हर सुबह एक नई उडान लाती है
हर सुबह एक नई उडान लाती है,
आँखों में सपनों की चमक जगाती है।

सूरज की किरणों सा दमकेंगे हम भी,
संघर्षों की राह पर बढेंगे हम भी।

उम्मीदों का दीप कभी न बुझाएँगे,
अपने अरमानों को सच कर दिखाएँगे।

मंजिल चाहे जितनी दूर सही,
हौसले से हम आसमान छू आऐंगे

"जीवन वही है जो आज है,कल का इंतज़ार मत करो।"

सहनशीलता में छुपी सच्ची ताकत

तारणी साहू
बी. ए. तृतीय सेमेस्टर

नाजुक नहीं, शक्ति का रूप हो तुम,
कडकती ठंडी में प्यारी सी धूप हो तुम।
हर दर्द सहकर जो मुस्कुराती है,
उसे दुनिया कमजोर क्यों बताती है?

घर को स्वर्ग बना देती हो,
अपनी जान तक लगा देती हो।
रजिया, इंदिरा, अहिल्या बनकर,
देश को नई दिशा तुम दिखलाती हो,

अपने सपनों को जलाकर,
अपनों के सपनों को तुम सवांरती हैं ।
स्वयं की आहुति देकर, घर का चूल्हा जलाती है,
उसे दुनिया कमजोर क्यों बताती है?

चार लोगों की 400 बातें सुनकर ,
चालीस तानों पर भी चुप रह जाती हो।
अगर जबाब दिया तो .....
"नकचडी, मुहफट" कहलाती हैं।

फिर भी मुस्कुराकर चल देती हो,
मेहनत से अपनी राह बनाती हो।
समाज के सारे आडंबर को सह जाती है
उसे दुनिया कमजोर क्यों बताती है?

बेईमानी की सडकों पर,
मर्यादा को अपनाती हो।
फिर भी शक के घेरे में आती हो,
सच्ची होकर भी दबती जाती हो।

कभी बेटी, कभी माँ, कभी बहन बनकर,
घर को संभाल लेती है न जाने कैसे?
खुद को हर परिस्थिति में ढाल लेती है,
उसे दुनिया कमजोर क्यों बताती है?

कभी सागर–सी गहरी हो जाती हैं ,
कभी आकाश–सी ऊँची उड जाती हैं।
बंधन में रहकर भी आजादी का गीत सुनाती हैं,
अंधेरों में भी उम्मीद की मशाल जलाती हैं ।

सरल हो तुम, भावनाओं में तरल हो तुम
पर जब बात आती है अपनों पर तो.....
तुम दुर्गा, काली, चंडी का रूप धारण कर जाती ह
उसे दुनिया कमजोर क्यों बताती है?

पेड़ और मानव का संबंध

लखन लाल
भूतपूर्व छात्र

प्रस्तावना –प्रकृति मानव से जुड़ा है और मानव प्रकृति से पेड़ पौधे के बिना मानव जीवन संभव नहीं है पेड़ है तो हमारा स्वास्थ्य है बेहतर है क्योंकि हम पेड़ों से ऑक्सीजन लेते हैं तथा पेड़ हमारे द्वारा छोड़े गए CO_2 कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करते हैं और पर्यावरण को स्वच्छ रखने हैं तथा फैक्टर निकलने वाली हानिकारक दोनों को भी अवशोषित कर लेते हैं और उन्हें वायुमंडल में प्रदूषण फैलाने से रोकते हैं प्रकृति की सर्वोत्तम देन पेड़ पौधे है पेड़ वायुमंडल में बदल निर्माण में आती सहायक है तथा उनके बिना बदल निर्माण नहीं हो सकता है और वर्षा करने में भी सहायक होता है जहां जितनी ज्यादा वृक्ष होंगे वहां उतनी ही ज्यादा बारिश होगी उदाहरण के लिए कांगो बेसिन भारत का पूर्वोत्तर राज्यों मैं ज्यादा वर्षा होती है यह मानसरोवर निर्भर करता है तथा वहां की वनस्पति पर जितनी ज्यादा वनस्पति पेड़ पौधे होंगे उतनी ज्यादा मत का वातावरण रहेगा और बादल निर्माण होंगे तथा पर्यावरण स्वच्छ रहेगी पूर्वोत्तर राज्य खनिज प्रधान राज्यों में है और यह 7 राज्य सेवन सिस्टर के नाम से विख्यात है तथा हिमालय जैसी मौसी पर्वतों से निकलने वाली नदियां मिट्टी का अपरदन करती है उसे अपरदन को रोकने के लिए रिच सहायक होता है यह मिट्टी को अपने जड़ में बांधकर रखना है तथा मिट्टी अपरदन होने से रोकता है वृक्ष नहीं होने पर हमारा श्वसन तंत्र खराब हो जाएगा तथा ब्राजील में स्थित कांगो बेसिन जंगल से लगभग 50: ऑक्सीजन निर्माण अकेला करता है इस कारण इसे विश्व का फेफड़ा भी कहते हैं

पेड़ों से होने वाले लाभ –

1. पेड़ हमारे जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है इसे हमें ऑक्सीजन की प्राप्ति होती है वह हमें दैनिक जीवन में उपयोग के लिए लकड़ी ईंधन तथा विभिन्न प्रकार के विकास के लिए इसकी आवश्यकता पड़ती है
2. वृक्ष के बिना जीवन संभव नहीं है चाहे वह जानवर हो चाहे मानव
3. वृक्षों की जितनी ज्यादा सा घंटा होगी उतनी ज्यादा वर्षा होगी वहां पर निर्माण हो गया और मिट्टी अपेक्षय व अपरदन से बचाता है जिससे उपजाऊ मिट्टी में वर्षा अच्छा होता है

पेड़ों के न होने से हानि–

1. आज मानव एक पेड़ लग नहीं रहा है और बल्कि उसकी जगह पर पांच पेड़ काट रहा है इस तरह कटाई करते चले गए तो जंगल भी नहीं बच पाएगा तथा प्रदूषण और तेजी से पहले का और फैक्ट्री से निकलने वाली दवाई वातावरण का शुद्ध तथा हमारे फेफड़ों में घुसकर हमर जान ले लेगा

पेड़ों की कटाई व रोकथाम के उपाय–

1 सरकार को एनसीसी के जो बच्चे हैं उनको वृक्ष की देखभाल करने के लिए उनको डिप्टी में लगाया जाना चाहिए तथा जो भी वृक्ष कटते पाया जाता है उसे कडा डंडा देना चाहिए
2. एक वृक्ष को कांटे मतलब कई लोगों के ऑक्सीजन फैक्ट्री को छीन लिया गया उसे व्यक्ति को काले पानी की सजा दी जानी चाहिए जिससे कोई दूसरा व्यक्ति पेड़ टने से पहले 10 बार सोचेगा की एक पेड़ काटने से मैं कई लोगों की ऑक्सीजन तो नहीं छीन रहा

उपसंहार–

प्रकृति की सर्वोत्तम देन वृक्ष है जो उसके जीवन से जुड़ा हुआ है तथा विकास के लिए सर्वोत्तम खनिज के रूप में देखा जा सकता है इन्हीं पेड़ पौधों से लाखों वर्ष तक धरातल में दबे रहने के कारण कोयला आदि का निर्माण होता है जिससे हमें बिजली की प्राप्ति होती है एक वृक्ष काटने से हम कई लोगों की ऑक्सीजन तथा जीवन छीन लेते हैं और यह कड़ा दंड का प्रावधान न होने के कारण व्यक्ति खुलेआम करता है इससे लोग भयभीत नहीं होते हैं बल्कि और रिच करते हैं आज हमें प्रत्येक व्यक्ति को साल में करीबन 5 वृक्ष लगाना चाहिए और उनकी देखभाल करना चाहिए जिससे प्रकृति स्वच्छ रहे और वातावरण अनुकूल रहे तथा किसी भी जीव को ऑक्सीजन की कमी ना हो ऑक्सीजन ही जीवन है इसके बगैर जीवन की कल्पना संभव नहीं प्रत्येक जीव को वर्षों की रक्षा करनी होगी ताज सरकार को कड़ा नियम बनाए जाने चाहिए या एनसीसी के बच्चों को इनकी रक्षा के लिए तैनात करना चाहिए जिससे युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा पेड़ों का रक्षा हो पाएगा

जनसेवा का ज्योतिर्मय दीपक

इन्द्र कुमार
रा.से.यो. स्वयंसेवक
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

समाज की उन्नति केवल सरकार या संस्थाओं के सहारे संभव नहीं है, बल्कि इसमें हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक होती है। स्वयंसेवा इसी भागीदारी का प्रतीक है। जब कोई व्यक्ति अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य करता है, तभी सच्ची सेवा का जन्म होता है

स्वयंसेवक समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में योगदान देकर न केवल दूसरों का जीवन सुधारते हैं बल्कि अपनी आत्मा को भी संतोष प्रदान करते हैं। स्वयंसेवा से सहयोग, समानता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

आज के युग में जब समाज तेजी से बदल रहा है, तब स्वयंसेवकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उनके छोटे–छोटे प्रयास बडे बदलाव ला सकते हैं। वास्तव में, स्वयंसेवा ही वह दीपक है जो अंधकार में प्रकाश फैलाता है और मानवता को जीवित रखता है।

स्वयंसेवक समाज का वह अभिन्न अंग है, जो निःस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करता है। स्वयंसेवक का मुख्य उद्देश्य केवल अपना कल्याण नहीं बल्कि समाज, राष्ट्र और मानवता की उन्नति करना होता है। आज के समय में जब जीवन तेजी से बदल रहा है और हर व्यक्ति अपने स्वार्थ में व्यस्त है, वहीं स्वयंसेवक निस्वार्थ भाव से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं।

स्वयंसेवक का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि किसी भी समाज या संगठन को सशक्त और संगठित बनाने में स्वयंसेवकों की प्रमुख भूमिका होती है। चाहे प्राकृतिक आपदा हो, सामाजिक आंदोलन हो, शिक्षा का प्रसार हो या स्वास्थ्य जागरूकता का अभियानकृस्वयंसेवक हमेशा अग्रिम पंक्ति में खडे होकर अपना योगदान देते हैं। वे लोगों के बीच जागरूकता फैलाते हैं और उन्हें संगठित करने का कार्य करते हैं।

स्वयंसेवक केवल सेवा कार्यों तक ही सीमित नहीं रहते, बल्कि वे नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सहयोग की भावना भी समाज में जागृत करते हैं। इनके प्रयासों से समाज में भाईचारे, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना का विकास होता है। जब कोई व्यक्ति स्वयंसेवक के रूप में कार्य करता है तो वह न केवल दूसरों की मदद करता है, बल्कि अपने अंदर भी मानवीय गुणों और आत्मसंतोष की अनुभूति करता है।

राष्ट्र निर्माण में भी स्वयंसेवकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। आजादी के आंदोलन से लेकर आज तक अनेक सामाजिक संस्थाओं ने स्वयंसेवकों के सहयोग से बडे–बडे कार्य संपन्न किए हैं। स्वयंसेवक समाज और राष्ट्र के बीच सेतु का काम करते हैं।

स्वयंसेवक समाज के सच्चे रक्षक और मार्गदर्शक होते हैं। उनके बिना समाज की अपने जीवन में कुछ समय प्रगति अधूरी है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ समय स्वयंसेवा के लिए अवश्य निकालना चाहिए, क्योंकि यही सच्चे जीवन का सार और मानवता की सबसे बडी सेवा है।

गुरु आपके उपकार का कैसे चुकाऊ मोल

चित्ररेखा

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

छत्तीसगढ़ राज्य के बलौदा बाजार जिले में ग्राम मोपका के महाविद्यालय में हमारी प्राचार्य महोदया डॉ. अभिलाषा सैनी हमारे महाविद्यालय में कोई भी कार्यक्रम या अतिथि गण आते है तो उनका तहे दिल से स्वागत किया जाता है और कोई कार्यक्रम होता है तो माँ शारदा की पुष्प अर्पित और दिप जला कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हैं। कोई भी महोत्साव को महाविद्यालय में हर्षो उल्लास से मानते है, हमारी प्राचार्य या प्रोफेसररो की आसिश वचनों से कार्य क्रम समापन करते है। हमरि महाविद्यालय में हमें पड़ना – लिखना ही नहीं सिखाया जाता, बल्कि अनुशासन, सदाचार और जीवन मूल्यों का भा ज्ञान मिलता है।

मेरे महाविद्यालय का नाम स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका – निपनिया है। यहाँ स्वच्छ कक्षाएँ, बड़ा खेल का मैदान पुस्तकालय और प्रयोगशालाएँ है। हमारे शिक्षक बहुत मेहनती और सहायक है वे हमें केवल पाश्यपुस्तक थे बात ही नहीं बल्कि जीवन में सफल होने के तरीके भी सिखाते है। महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ होती है जैसे खेल –सांस्कृतिक कार्यक्रम और वाषिर्क उत्सव इन गतिविधियों से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है हमारे महाविद्यालय हमें आत्मविश्वासी, परिश्रमी त्यऔर जिम्मेदार नागरिक बनाती है। बच्चों को उच्च कौशल शिक्षा प्राप्त हो इसलिए हमारी प्राचार्य मैम महाविद्यालय के जो विद्यार्थी खेलों में अपनी रुचि रखते है। उन विद्यार्थियों को स्टेट लेवल प्रतियोगीता में भेजा जाता है जिससे उनको नये कौशल विकास प्राप्त होता है। महाविद्यालय, वह स्थान है जहाँ हमें शिक्षा प्राप्त होती है। हमारे महाविद्यालय शिक्षा हमारे जीवन को सफल और उज्जवल बनाने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है, हमारे महाविद्यालय में कोई भी दिवस या जयंती मानते है। तो सभी अतिथि गणों को बैच और तिलक लगा कर सम्मानित करते हैं को शिक्षा के प्रति आकर्षित करने के के बच्चों को लिए ई पाठशाला, कोर्स करने के लिए ूलंउ है। हमारे महाविहगालय के प्राचार्य मैग उद्देश्य राष्ट्र की सामाजिक एवं आर्थिक आवश्यकताओ के अनुरूप प्रांसगिक अकादमीक। जैसे ऑनलाइन बच्चों को प्रेरित करती अकादमिक की छिपी हुई प्रतिभाओ को बाहर लाने एवं सीखने हेतु रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करती है।

गुरु आपके उपकार का कैसे चुकाऊ मोल । लाख कीमती धन भला गुरु है मेरे अनमोल ।। रख कर भी न चुका पाएंगे जिसका जिंदगी गिरती माँ ही नहीं भगवान के बराबर गुरु का भी है उतना ही महान दर्जा है।

समाज में नव युवाओं की भूमिका

ईश्वरी साहू
बी.ए. तृतीय वर्ष

आज का समय तेजी से बदल रहा हैं। तकनीक शिक्षा सोच और जीवन शैली हर क्षेत्र में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देता है, ऐसे बदलते दौर में नई पीढ़ी का समाज में प्रवेश कई सकारात्मक परिवर्तन लेकर आता है। वर्तमान युवा ऊर्जा नवाचार और प्रगतिशील सोच का प्रतीक है, समाज के विकास में उनका योगदान न सिर्फ महत्वपूर्ण हैं, बल्कि भविष्य की दिशा भी निर्धारित करता है।

सबसे पहले नई युवा समाज में नई सोच और नई दृष्टि लाते है। वे पुराने रूढ़िगत विचारों को चुनौती देते हुए आधुनिक वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टिकोण अपनाते है। यह समाज को खुलापन और प्रगतिशीलता प्रदान करता है।

दुसरा, आज के युवा तकनीकी ज्ञान मे समृद्ध हैं। डिजिटल युग में उनकी समझ समाज को आगे बढ़ाने में मदद करती हैं, चाहे शिक्षा हो स्वास्थ्य हो या व्यापार – युवा अपनी तकनीकी क्षमता से तेज और प्रभावी बदलाव ला रहे है।

तीसरा, युवाओं में ऊर्जा उत्साह और परिवर्तन की चाह अधिक होती है। वे कठिन परिस्थितियों में भी समाधान ढूंढते है। और चुनौतियों का मुकाबला करते है। यह जोश समाज में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखता है। नई युवा जागरूक नागरिक भी है। वे पर्यावरण संरक्षण लैगिक समानता, शिक्षा का प्रसार सामाजिक न्याय और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाते है। उनके प्रयासों से समाज अधिक संवेदनशील और जिम्मेदार बनता है।

अंत में कहा जा सकता है, कि नई युवा बदलते समय के वास्तविक वाहक है। वे समाज को नई दिशा नई ऊर्जा और नई विचार प्रदान करते है।

उनके भागीदारी से समाज अधिक उन्नत सशक्त और आधुनिक बनता है। इसलिए युवाओं को अवसर और सही मार्गदर्शन देना अत्यंत आवश्यक हैं, ताकि वे देश और समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सके ।

पोषक शाला अभियान

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा स्कूल के छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जानकारी देने के लिए "पोषक शाला अभियान" का आयोजन किया गया, जिसके तहत महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक अपने आवंटित स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में गहराई से जानकारी एवं महाविद्यालय में दीक्षा अरंभ की जानकारी विस्तृत रूप से दिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति

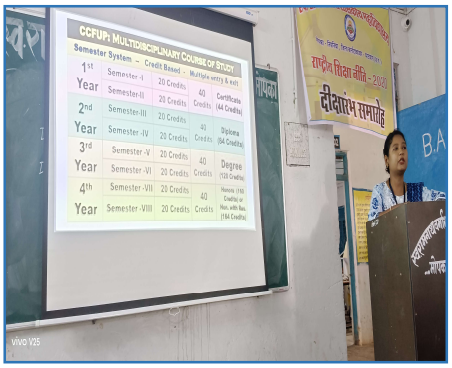

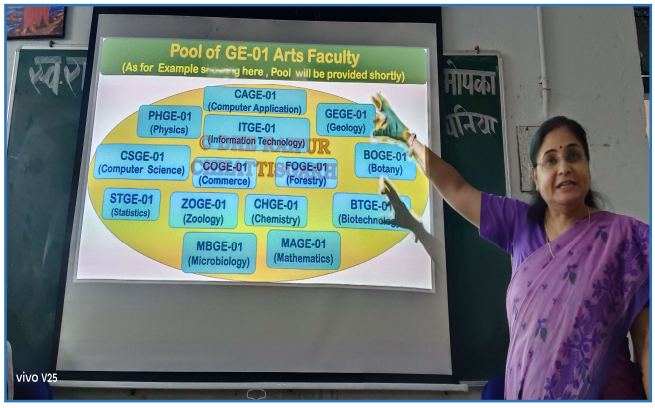

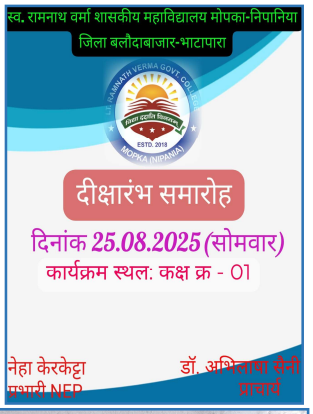

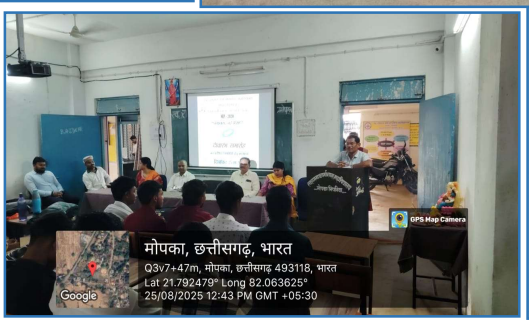

दीक्षारंभ समारोह में दी गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जानकारी

भाटापारा। स्वर्गीय रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका निपानिया में 25 अगस्त को प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी के निर्देशन में दीक्षारंभ समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक एन.के. ध्रुव ने अकादमिक कैलेंडर और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला। प्रभारी नेहा केरकेट्टा ने बहुविषयक शिक्षा और क्रेडिट सिस्टम की जानकारी दी। पूर्व प्रभारी राजाराम ध्रुव ने महाविद्यालय की विभिन्न कमेटियों से अवगत कराया। प्रभारी प्रियंका पाटले ने रिसर्च ऑनर्स की भूमिका पर जानकारी दी, वहीं श्रीमती तृप्ति साव ने ऑनलाइन कक्षाओं के संचालन की जानकारी साझा की। एम्बेसडर परमेश्वर भीखर, तारिणी साहू, टिकेश्वरी साहू व दीपेश्वरी निषाद ने कार्यक्रम का संचालन किया। ऋषभ वर्मा ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न बिंदुओं को स्पष्ट किया। कार्यक्रम में शिक्षक, नवप्रवेशी छात्र और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका निपनिया

(जीवन में सफलता के लिए प्रेरणा)

माही ठाकुर
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरणा बहुत महत्वपूर्ण है। प्रेरणा हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है, हमें कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करती है, और हमें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

प्रेरणा के स्रोत

प्रेरणा के कई स्रोत हो सकते हैं, जैसे कि अपने आप में विश्वास: अपने आप में विश्वास करना प्रेरणा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। जब आप अपने आप में विश्वास करते हैं, तो आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।

अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करना अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करना प्रेरणा का एक अन्य स्रोत है। जब आप जानते हैं कि आप क्या चाहते हैं, तो आप उसे प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।

अपने आसपास के लोगों से प्रेरणा लेना अपने आसपास के लोगों से प्रेरणा लेना भी प्रेरणा का एक स्रोत है। जब आप ऐसे लोगों के साथ होते हैं जो आपको प्रेरित करते हैं, तो आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।

प्रेरणा कैसे प्राप्त करें

प्रेरणा प्राप्त करने के कई तरीके हैं, जैसे कि अपने लक्ष्यों को लिखना : अपने लक्ष्यों को लिखना प्रेरणा प्राप्त करने का एक अच्छा तरीका है। जब आप अपने लक्ष्यों को लिखते हैं, तो आप उन्हें अधिक स्पष्ट रूप से देख सकते हैं और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।

अपने आप को प्रेरित करने वाले लोगों के साथ समय बिताना अपने आप को प्रेरित करने वाले लोगों के साथ समय बिताना प्रेरणा प्राप्त करने का एक अन्य तरीका है। जब आप ऐसे लोगों के साथ होते हैं जो आपको प्रेरित करते हैं, तो आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं।

अपने आप को पुरस्कृत करना : अपने आप को पुरस्कृत करना प्रेरणा प्राप्त करने का एक अच्छा तरीका है। जब आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं, तो अपने आप को पुरस्कृत करें और अपने आप को बताएं कि आप कितने महान हैं।

निष्कर्ष

प्रेरणा जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रेरणा हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है, हमें कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करती है, और हमें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करती है। प्रेरणा प्राप्त करने के कई तरीके हैं, जैसे कि अपने लक्ष्यों को लिखना, अपने आप को प्रेरित करने वाले लोगों के साथ समय बिताना, और अपने आप को पुरस्कृत करना।

छत्तीसगढ़ : प्रकृति और संस्कृति का अनुपम संगम

दुरपति साहू
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

छत्तीसगढ़ सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि एक भावना है– भारत का हृदय जहाँ प्रकृति अपनी पूरी भव्यता के साथ विराजमान है और संस्कृति की जड़ें अत्यंत गहरी हैं। 1 नवंबर 2000 को गठित यह राज्य, अपनी समृद्ध जनजातीय विरासत, हरे–भरे जंगलों और खनिज संपदा के कारण देश भर में जाना जाता है।

छत्तीसगढ़ महतारी: मातृशक्ति का प्रतीक

छत्तीसगढ़ महतारी (Chhattisgarh Mahtari) छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति और पहचान का प्रतीक हैं। उन्हें राज्य की भूमि, संस्कृति, परंपराओं और यहाँ के लोगों की अन्नदात्री के रूप में पूजा जाता है।

स्वरूपः उन्हें अक्सर एक ऐसी देवी के रूप में दर्शाया जाता है जिनके एक हाथ में धान की बालियाँ (चावल का कटोरा होने का प्रतीक) और दूसरे हाथ में दीपक होता है, जो समृद्धि और ज्ञान का प्रतीक है।

भावनात्मक संबंधरू यह नाम राज्य के लोगों के लिए अत्यंत भावनात्मक है, जो अपनी माटी और संस्कृति के प्रति गहरा सम्मान दर्शाता है। उन्हें छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की मेहतारी (माँ) माना जाता है।

अस्मिताः महतारी (माँ) की यह अवधारणा छत्तीसगढ़िया अस्मिता और गर्व का केंद्र है, जो इस क्षेत्र के सादगीपूर्ण और प्रकृति–प्रेमी जीवन शैली को दर्शाती है।

छत्तीसगढ़ के 20 खूबसूरत पहलू (प्रकृति, संस्कृति और विशेष तथ्य)

प्रकृति और भूगोल की सुंदरता

1. **धान का कटोराः** छत्तीसगढ़ को 'धान का कटोरा' (Rice Bowl of India) कहा जाता है, क्योंकि यहाँ महानदी और उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित उपजाऊ मैदान में चावल की भरपूर खेती होती है।

2. **वनों का आवरणः** राज्य का 44% से अधिक क्षेत्र घने जंगलों से आच्छादित है, जो इसे जैव विविधता का खजाना बनाता है।

3. **चित्रकोट जलप्रपातः** 'भारत का नियाग्रा' कहे जाने वाले जगदलपुर के पास स्थित चित्रकोट जलप्रपात (Chitrakote Falls) की गर्जना और सुंदरता देखते ही बनती है।

4. **तीर्थगढ़ जलप्रपातः** कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित तीर्थगढ़ जलप्रपात अपनी सीढ़ीनुमा (Terraced) सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है।

5. **कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यानः** यह एशिया की सबसे छोटी कुटुमसर गुफा और कैलाश गुफाओं के लिए प्रसिद्ध है, जो इसकी भूवैज्ञानिक भव्यता को दर्शाती हैं।

6. **इंद्रावती नदीः** यह राज्य की प्रमुख नदियों में से एक है, जो छत्तीसगढ़ के दक्षिणी भाग को जीवन प्रदान करती है और गोदावरी नदी की सहायक नदी है।

7. **वन भैंसाः** वन भैंसा (Wild Asian Buffalo) छत्तीसगढ़ का राजकीय पशु है, जो यहाँ के समृद्ध वन्यजीव का प्रतीक है।

8. **साल वृक्षः** साल (Sarai) का वृक्ष यहाँ का राजकीय वृक्ष है, जिसके जंगल विशेष रूप से बस्तर संभाग में पाए जाते हैं।संस्कृति और परंपराओं की झलक

9. **जनजातीय संस्कृतिः** छत्तीसगढ़ गोंड, बैगा, हल्बा जैसे 35 से अधिक जनजातीय समुदायों का घर है, जिन्होंने अपनी समृद्ध परंपराओं और कला को संरक्षित रखा है।

10. **पंथी नृत्यः** यह सतनामी समुदाय का प्रसिद्ध लोक नृत्य है, जिसमें संत गुरु घासीदास के आध्यात्मिक संदेशों को दर्शाया जाता है।

11. **राउत नाचाः** यह पारंपरिक गोप–बालकों (Cowherds) का नृत्य है, जो दिवाली के बाद किया जाता है और इसमें कृष्ण लीलाओं का वर्णन होता है।

12. **सुआ नृत्यः** यह महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक सुंदर लोक नृत्य है, जिसमें वे तोते (Sua) की गति की नकल करती हैं, जो प्रेम और विरह का प्रतीक है।

13. **बस्तर दशहराः** यह दुनिया के सबसे अनोखे और लंबे त्योहारों में से एक है, जो 75 दिनों तक चलता है और जनजातीय एवं शाही परंपराओं का मिश्रण है।

14. **हस्तशिल्प कलाः** ढोकरा मेटल क्राफ्ट (Bell Metal), बस्तर के लकड़ी के शिल्प और कोसा सिल्क (Kosa Silk) यहाँ की अनूठी कारीगरी को दर्शाते हैं।

15. **पंडवानीः** यह महाभारत की कथाओं का संगीतमय गायन और नाट्य रूप है, जिसे प्रसिद्ध कलाकार तीजन बाई ने विश्व स्तर पर पहचान दिलाई।

16. **बोली और भाषाः** राज्य की राजभाषा हिंदी है, लेकिन छत्तीसगढ़ी भाषा यहाँ की आम बोलचाल में अत्यंत मधुर और प्रचलित है।

विशेष तथ्य और विरासत

17. **भोरमदेव मंदिरः** 'छत्तीसगढ़ का खजुराहो' कहे जाने वाले इस प्राचीन मंदिर की दीवारों पर अद्भुत और कलात्मक मूर्तियां उत्कीर्ण हैं।

18. **खनिज भंडारः** छत्तीसगढ़ देश के लिए बिजली और इस्पात का एक प्रमुख स्रोत है, जहाँ देश के कुल इस्पात उत्पादन का 15% से अधिक हिस्सा तैयार होता है।

19. **पुरातात्विक स्थल सिरपुरः** यह महानदी के तट पर स्थित एक ऐतिहासिक स्थल है, जो अपने प्राचीन बुद्ध विहारों और लक्ष्मण मंदिर (ईंटों से निर्मित) के अवशेषों के लिए प्रसिद्ध

20. **साहित्य और सिनेमाः** छत्तीसगढ़ का अपना समृद्ध साहित्य और छत्तीसगढ़ी सिनेमा (Chhollywood) भी है, जो क्षेत्रीय कहानियों और संस्कृति को बढ़ावा देता है।

छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता, मजबूत सांस्कृतिक जड़ों और छत्तीसगढ़ महतारी की छाया में निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

मेरा गांव..... एक शांत और सुंदर जगह

मेरा गांव शहर के शोरगुल से दूर एक शांत और सुंदर जगह है जो हरे–भरे खेतों और पेड़ों से गिरे हैं यहां की हवा ताजी और शुद्ध है रात में आसमान तारों से भरा होता है तथा उनका नजारा बहुत ही सुंदर होता है मेरे गांव के लोग हमेशा मेहनती जीवन जीते हैं तथा उनका मुख्य पेसा खेती और पशुपालन है मेरे गांव के लोग अधिकतर किसान हैं मेरे गांव में 1 साल में दो बार खेती की जाती है हमारे यहां अधिकतर धान की खेती की जाती है मेरे गांव में शिक्षा के लिए पहली कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक की सुविधा है तथा स्वास्थ्य के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्र भी उपस्थित है यहां के लोग सभी त्योहारों को एक साथ मिलकर खुशहाली से मनाते हैं गांव के लोग हमेशा एक दूसरे के सुख–दुख में शामिल होते हैं और एक दूसरे की सहायता करते हैं जिसमें एक सुखद और शांतिपूर्ण माहौल बना रहता है ।

मेरा गांव एक ऐसी जगह है जहां मुझे शांति और सुकून मिलता है यहां के लोग भले ही सादा जीवन जीते हैं लेकिन उनका जीवन खुशी और संतुष्टि से भरा है मुझे मेरा गांव शहर से अच्छा लगते हैं मैं अपने गांव को बहुत प्यार करती हूं और मैं चाहती हूं कि यह हमेशा ऐसे ही हरा भरा और शांत बनी रहे और लोग हमेशा मिलजुल कर रहे हैं एक दूसरे की मदद करते रहे ।

शीतला वर्मा
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

मिट्टी की खुशबू में बसा है गाँव,

सरल जीवन, सच्चे हर एक भाव।

खेतों में सपने, आँगन में प्यार,

यहीं से जुड़ा जीवन का सार।

भारतीय समाज में नारी का स्थान

पार्वती साहू यमेश्वरी और कांति ध्रूव
बी. ए. तृतीय सेमेस्टर

नारी को शक्ति, समृद्धि और संस्कृति की प्रतीक माना जाता है। भारतीय संस्कृति में नारी को देवी, माता, बहन और पत्नी के रूप में पूजा जाता है।

नारी का स्थान भारतीय समाज में हमेशा से ही महत्वपूर्ण रहा है। प्राचीन काल में नारी को शिक्षा, राजनीति और समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर मिला था। लेकिन समय के साथ, नारी की स्थिति में परिवर्तन आया और उन्हें समाज में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

आजकल, भारतीय समाज में नारी का स्थान बहुत बदल गया है। नारी ने शिक्षा, राजनीति, व्यवसाय और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। नारी सशक्तिकरण के प्रयासों के कारण, नारी को समाज में अधिक अधिकार और अवसर मिले हैं।

लेकिन, अभी भी भारतीय समाज में नारी के प्रति कई चुनौतियां हैं। नारी हिंसा, बाल विवाह, दहेज प्रथा जैसी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं। इसलिए, हमें नारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें समाज में समान अधिकार दिलाने के लिए काम करना होगा।

नारी का स्थान भारतीय समाज में बहुत महत्वपूर्ण है, और हमें उन्हें सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए काम करना होगा।

वह चुप रहती है,
पर कमजोर नहीं होती।

आँसू आँखों में छुपा लेती है, पर उम्मीद कभी नहीं खोती।

माँ बनकर ममता लुटाती है, बेटी बनकर सपने सजाती है।

हर रूप में खुद को बाँटकर भी, नारी अपनी पहचान बचाती है।

वह सहती है,
इसलिए नहीं कि डरती है,

बल्कि इसलिए कि वह सब कुछ जोड़कर रखना जानती है।

कंप्यूटर ज्ञान विज्ञान और विकास का आधार

वर्तमान समय में कंप्यूटर मानव जीवन का ऐसा साधन बन चुका है जिसके बिना आधुनिक विकास की कल्पना भी अधूरी लगती है। कंप्यूटर एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन है जो सूचना को संग्रहित, संसाधित और विश्लेषित करके सटीक परिणाम प्रदान करती है। इसकी गति, क्षमता और विश्वसनीयता ने दुनिया को एक नए तकनीकी युग में प्रवेश कराया है। सच कहा जाए तो कंप्यूटर आज ज्ञान, विज्ञान और विकासकृतीनों का मूल आधार बन चुका है।

कंप्यूटर और ज्ञान का विस्तार

कंप्यूटर ने ज्ञान के क्षेत्र में एक क्रांति ला दी है। पहले जहाँ जानकारी प्राप्त करना कठिन, समय–साध्य और सीमित था, वहीं अब कंप्यूटर के माध्यम से मिनटों में वैश्विक ज्ञान तक पहुँच संभव हो गई है। ऑनलाइन शिक्षा, ई–लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म, डिजिटल लाइब्रेरी और वर्चुअल क्लासरूम ने शिक्षा को नई दिशा दी है। छात्र घर बैठे देश–विदेश के उच्च स्तरीय शिक्षकों से ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से किसी भी विषय पर विस्तृत और नवीनतम जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाती है। इस प्रकार कंप्यूटर ने ज्ञान को सीमित दायरों से निकालकर सभी तक पहुँचाया है।

विज्ञान के विकास में कंप्यूटर की भूमिका

विज्ञान और तकनीक की प्रगति में कंप्यूटर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिक अनुसंधानों, प्रयोगों और विश्लेषणों में कंप्यूटर तीव्र गति से गणनाएँ करता है। मौसम पूर्वानुमान, अंतरिक्ष अनुसंधान, रोबोटिक्स, जैव–प्रौद्योगिकी और परमाणु ऊर्जाकृइन सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर का योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण है। रॉकेट की डिजाइन, सिमुलेशन, डेटा विश्लेषण और जटिल वैज्ञानिक मॉडलिंग बिना कंप्यूटर के संभव नहीं। कंप्यूटर ने वैज्ञानिक खोजों को तेज़, सरल और अधिक सटीक बनाया है।

आर्थिक और सामाजिक विकास का आधार

कंप्यूटर ने मानव समाज के विकास को नई दिशा दी है। व्यापार में कंप्यूटर के उपयोग से कार्य तेजी से होता है और डाटा सुरक्षित रहता है। बैंकिंग, डिजिटली भुगतान, ई–कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने अर्थव्यवस्था को मजबूत और पारदर्शी बनाया है। सरकारी सेवाओं का डिजिटलीकरण होने से आम नागरिकों तक सुविधाएँ सरलता से पहुँचने लगी हैं। कंप्यूटर ने रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं और उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाई है, जिससे विकास की गति तेज हुई है।

कंप्यूटर की विशेषताएँ

गति: जटिल गणनाएँ कुछ ही क्षणों में कर सकता है। सटीकतारू परिणाम अत्यंत सही और त्रुटिहीन देता है। संग्रहण क्षमतारू बड़ी मात्रा में डाटा सुरक्षित रखता है। बहुउपयोगितारू शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, विज्ञानकृहर क्षेत्र में उपयोगी।

चुनौतियाँ और सावधानियाँ

कंप्यूटर के लाभ अनेक हैं पर साथ में कुछ चुनौतियाँ भी हैं साइबर अपराध, हैकिंग और डाटा चोरी का खतरा अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य समस्याएँ गलत जानकारी का फैलाव इसलिए कंप्यूटर का उपयोग हमेशा सावधानी और सकारात्मक उद्देश्यों के लिए करना चाहिए।

उपसंहार

अंततः यह स्पष्ट है कि कंप्यूटर आज ज्ञान, विज्ञान और सामाजिक–आर्थिक विकास का प्रमुख आधार बन चुका है। कंप्यूटर ने मानव जीवन को सुविधाजनक, सुरक्षित और उन्नत बनाया है। आगे आने वाले समय में भी कंप्यूटर की भूमिका और महत्वपूर्ण होती जाएगी। यह कहना गलत नहीं होगा कि कंप्यूटर तकनीक ने मानव सभ्यता को एक नई दिशा और गति प्रदान की है।

चन्दन दास माणिकपुरी

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

कंप्यूटर है ज्ञान का द्वार,

इसने बदली दुनिया की चाल।

एक क्लिक में मिलती जानकारी,

आसान हुआ पढ़ना और सवाल।

पढ़ाई हो या लेखन का काम,

कंप्यूटर बना हर पल का साथ।

आज के युग की पहचान यही,

डिजिटल सपनों की सच्ची बात।

बेरोज़गारी एक भयानक समस्या

देविका यादव
बी.ए. तृतीय वर्ष

बेरोजगारी न केवल भारत में है, बल्कि पूरी दुनिया में एक बहुत ही गंभीर समस्या है ऐसे सैकड़ो हजारों लोग हैं जिनके पास रोजगार नहीं है। इसके अलावा बढ़ती आबादी और नौकरियों की मांग के कारण भारत में बेरोजगारी की समस्या बहुत गंभीर है और यह केवल भारत में ही नहीं अपितु विश्व स्तरीय समस्या बन चुकी है इसके अलावा अगर हम इस समस्या की अपेक्षा करते हैं तो देश के विनाश का कारण बन जाएगा।

बेरोजगारी से तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जिसमें कुशल और प्रतिभाशाली लोग नौकरी करना चाहते हैं, लेकिन कई कारणो से उन्हें उचित नौकरी नहीं मिल पाती है।

इन सबके अलावा, आबादी का एक बड़ा हिस्सा कृषि क्षेत्र में लगा हुआ है और यह क्षेत्र केवल फसल कटाई या रोपण के समय तक ही रोजगार प्रदान करता है इसमें आधुनिक उपकरण जैसे ट्रैक्टर हार्वेस्टर थ्रेसर आदि से उच्च किसान वर्ग की सहायता होती है परंतु इससे निम्न किसान वर्ग को बेरोजगारी का सामना करना पड़ता है जिससे उनका रोजगार छीन जाते हैं और वह बेरोजगार का शिकार हो जाते हैं जिसे कहा जाए कि आधुनिक अविष्कार ज्यादातर उच्च वर्ग की सहायता का कारण बने परंतु निम्न वर्ग को इसे काफी हानियां हुई या कहा जाए कि उनसे उनका रोजगार छीन गया ,इसके अलावा भारत में बेरोजगारी का सबसे बड़ा कारण इसकी विशाल बढ़ती जनसंख्या है जो हर साल बड़ी संख्या में नौकरियों की मांग करती है जिसे सरकार और अधिकारी प्रदान करने में असमर्थ हैं

अगर हालात ऐसे ही रहे तो बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा बन गया है इसके अलावा अर्थव्यवस्था में गरीबी, अपराध दर में वृद्धि ,श्रम का शोषण राजनीतिक अस्थिरता, मानसिक स्वास्थ्य और कौशल का ह्रास जैसी चीजें होती है नतीजा यह सब अंततः राष्ट्र के पतन का कारण बन रहे हैं

राष्ट्रीय सेवा योजना में जुड़ने के फायदे

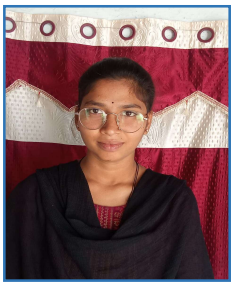

अंजू वर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष

NSS (National Service Scheme) यह सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा चलाया जाने वाला एक राष्ट्रीय सेवा कार्यक्रम है। इसे खासतौर पर कॉलेज और स्कूल के छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय भावना का विकास करता है । आज के समय में ये ज्वॉइन करना न केवल समाज के लिए लाभदायक बल्कि यह छात्रों के व्यक्तित्व और करियर को नई दिशा देता है।

NSS से जुड़ने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह छात्रों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभिन्न गतिविधियों और सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेते हुए छात्रों में आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता और संचार कौशल का विकास होता है। टीम में काम करना समस्याओं का समाधान ढूंढना और समाज के प्रति जिम्मेदार बनना ये सभी गुण दे के माध्यम से विकसित होती है।

NSS से समाज के प्रति छात्र की संवेदनशीलता को बढ़ता है। सफाई अभियान, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य जागरूकता, और ग्रामीण विकास जैसे कार्यों में भाग लेकर छात्र समाज की वास्तविक समस्याओं को समझते और उनमें सेवा की भाव और मानवीय मूल्य विकसित होता है।

शैक्षणिक और करियर के दृष्टिकोण से भी दे का अपना महत्व होता है। NSS के प्रमाणपत्र का उच्च शिक्षा और कई प्रतियोगी परीक्षाओं में लाभदायक होता है। इसके अलावा NSS का अनुभव रेज्यूमे मजबूत है जो कि भविष्य में नौकरी के अवसरों में सकारात्मक प्रभाव डालता है विशेष कैंपों में भाग लेकर छात्रों को विभिन्न राज्यों और संस्कृतियों को समझने का अवसर मिलता है, जिससे उनका दृष्टिकोण व्यापक होता है।

अंत में यह कहा जा सकता है कि NSS ज्वॉइन करना छात्र के लिए अत्यन्त लाभदाय है, यह छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनाता है। NSS युवाओं को " not me but you" की भावना सिखाता हैं जो भारत के उज्ज्वल भविष्य का नींव है।

शिक्षा का महत्व

दीपिका वर्मा

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

शिक्षा व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हमें ज्ञान कौशल, और मूल्यों से सशक्त बनाती है, जिससे हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं

शिक्षा के माध्यम से, हम अपने आसपास के दुनिया को समझने और उसमें बदलाव लाने के लिए तैयार होते हैं। यह हमें आलोचनात्मक सोच, समस्या–समाधान, और संचार कौशल विकसित करने में मदद करती है।

शिक्षा के महत्व को निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है

– व्यक्तिगत विकास: शिक्षा व्यक्ति के बौद्धिक, भावनात्मक, और सामाजिक विकास में मदद करती है।

– आर्थिक विकास: शिक्षा व्यक्ति को रोजगार के अवसर प्रदान करती है और आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देती है।

– सामाजिक विकास: शिक्षा समाज में समानता, न्याय, और शांति को बढ़ावा देती है

भारत में शिक्षा का अधिकार एक मौलिक अधिकार है, और सरकार ने शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं ।

आप क्या सोचते हैं

– शिक्षा के महत्व को समझने के लिए आपके पास क्या अनुभव हैं?

– आप शिक्षा को और अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने के लिए क्या सुझाव देना चाहेंगे?

महिला सशक्तिकरण

सुमन ध्रुव

बी.ए. तृतीय वर्ष

आज के आधुनिक समाज में महिला सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण विषय बन चुका है बदलते समय के साथ महिलाओं ने अपने अधिकारों सम्मान पहेचान के लिए संघर्ष किया है ।और आज वे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा से देश का नाम रोशन कर रही है।महिला सशक्तिकरण का अर्थ है । महिलाओं को जीवन के हर पहलु शिक्षा स्वास्थ रोजगार और निर्णय लेने के अधिकार में बराबरी का अवसर देना ।

भारत जैस विशाल और विविधता वाले देश में लंबे समय से महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और संस्कृति बाधाओं का सामना करना पड़ा है कई क्षेत्रों में आज भी बेटियों को शिक्षा से वंचित किया जाता है। कुपोषण और स्वास्थ सेवाओं की कमी झेलनी पड़ती है घरेलू हिंसा दहेज प्रथा और लैंगिक भेद भाव जैसी समस्याए उनके विकास में रुकावट पैदा करती है।ऐसे में महिलाओं को सक्षम सुरक्षित और स्वलंबी बनाना समाज की सबसे बड़ी आवश्कता है।

महिला सशक्तिकरण कि शुरुआत शिक्षा से होती है। शिक्षित महिला न केवल स्वयं को बल्की पूरे परिवार को आगे बढ़ाती है।इसके साथ ही आत्म निर्भरता महिलाओं को अपने निर्णय स्वयं लेने की शक्ति देती है।कौशल विकास रोजगार ,उद्यमिता और डिजिटल ज्ञान महिलाओं के जीवन में नई संभावनाएं लेकर आते है। कानूनी अधिकार और सुरक्षा भी महिलाओं को हिंसा और अन्याय के खिलाफ खड़ा होने की हिम्मत प्रदान करते है।

भारत सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ उज्वल योजना महिला हेल्प्लाइन 1091 स्वयं सहायता समुह (SHG) प्रधान मंत्री मातृत्व वंदना योजना आदि इन पहले महिलाओं को शिक्षा सुरक्षा और आर्थिक मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

महिला सशक्तिकरण सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है ।समाज और परिवार को भी महिलाओं को बराबरी का स्थान देना होगा। पारिवारिक समर्थन सुरक्षी वातावरण बढ़ने का साहस देती है। आज के बदलते समय में महिलाये आगे बढ़ कर पुरुषों को पीछे छोड़ती जा रही है।कल्पना चावला ने विश्व को दिखाया की महिलाए भी अंतरिक्ष जैसे जटिल और चुनौती पूर्ण क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा सकती है। इससे भारती महिलाओं की प्रतिष्ठा और आत्म सम्मान विश्व स्तर पर बढ़ा।

साइक्लोथोन ——— आत्मविश्वास का जादू

टिकेशरी साहू
बी.एस.सी
तृतीय सेमेस्टर

मैंने हमेशा महसूस किया है की यदि कोई कार्य सच्ची इच्छा और आत्मविश्वास के साथ किया जाए तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। इसी विश्वास के साथ मुझे एक अविस्वरणीय अनुभव प्राप्त हुआ — सांसद युवा खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित साइक्लोथोन में भाग लेने का , जो जिला बलौदाबाजार भाटापारा में संपन्न हुआ ।

इस कार्यक्रम की सुचना हमे हमारे महाविद्यालय के खेल प्रभारी नेहा केरकेट्टा मैम के माध्यम से मिली । जैसे ही हमे इसके बारे में पता चला, हम सभी ने उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छा जताई और पूरे निश्चय के साथ इसके लिए तैयार हुए।

यह साइक्लोथोन हमारे जिले के यशस्वी सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी के नेतृत्व में , खेलों इंडिया — फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया था । इस आयोजन में सामिल होना मेरे लिए बेहद गौरव की बात थी।

मैंने साइक्लोथोन में भाग लेने का निश्चय किया। इस निर्णय के बाद मैने अपने घर वालो और अपने गुरुजनों से बात की । सभी ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा," करके देखो " जीत जाओ तो भी ठीक , और अगर नही जीत पाओ तो भी कोई बात नही — सिख तो हमेशा मिलती है। मेरे शिक्षको ने कहा " हम या तो जीतते है या सीखते है — हम कभी हारते नही है"। उसकी इस बात ने मेरे मन में गहरा आत्मविश्वास भर दिया ।

मेरे पास आधुनिक और महंगी साइकिल नही थी। सिर्फ वही सरकारी साइकिल थी जो सरकार द्वारा प्राप्त हुई थी । लेकिन मैंने सोचा कि — साइकिल कैसी है ये महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि मेरा संकल्प और मेहनत जरूरी है। इसी पुरानी साइकिल ने मेरे भीतर एक छोटी सी उम्मीद की किरण जगाई और उसी किरण को पकड़ने के लिए मैंने कदम आगे बढ़ाए।

इस पूरे सफर में मेरे पिताजी ने मेरा बहोत साथ दिया । उन्होंने हर तरह से मेरा उत्साह बढ़ाया। हमने मिलकर साइकिल को थोड़ा बहुत ठीक करवाया और सुबह 4 बजे उठकर बलौदा बाजार के लिए निकले क्योंकि वही से हमारी रेस की शुरुआत होनी थी। वहा पहुंच कर मुझे अपने निर्णय पर गर्व हुआ। मेरे लिए यह साइक्लोथोन सिर्फ एक रेस नही थी — यह मेरे आत्मविश्वास , मेहनत और मेरे परिवार के सहयोग की कहानी थी।

साइक्लोथोन बलौदा बाजार 2025 मेरे जीवन का एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव रहा । यह सिर्फ एक प्रतियोगिता नही थी, बल्कि आत्मविश्वास , साहस और दृढ़ निश्चय की परीक्षा थी। जब मुझे हमारे महाविद्यालय से साइक्लोथोन में भाग लेने का अवसर मिला , तो शुरुआत में मैं थोड़ी डरी हुई थी । मन में कई सवाल उठ रहे थे— क्या मैं इतनी दूर साइकिल चला पाऊंगी? क्या मैं बाकी प्रतिभागियों के साथ तालमेल बैठा पाऊंगी? ।

लेकिन मेरे पापा ने और हमारे महाविद्यालय के प्रोफेसर — खेल प्रभारी नेहा केरकेट्टा मैम , डॉ. अमित कुमार सर, युवराज दिक्षित सर ने हमे लगातार प्रारित किया । उन्होंने हमे बताया कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना ही सबसे बड़ी जीत होती है। उनके सहयोग और मार्गदर्शन से मुझे आत्मविश्वास मिला और मैने साइक्लोथोन में हिस्सा लेने का निश्चय किया।

जिस दिन साइक्लोथोन शुरू हुई , उस दिन माहौल बहुत जोशपूर्ण था। हमने बलौदा बाजार से होते हुए 40 km की सफर तय किया । फिर हमने करहीबाजार से 10 km का सफर पांच – पांच की टीमों में शुरुआत की रास्ते में कई उतार – चढ़ाव और मुश्किलें आई। एक समय ऐसा भी आया जब एक भईया ने मुझसे कहा की " तुम्हारे साथ जो लोग आए थे , वे तो आगे निकल गए है " , अब तुम्हारे आगे जाने का कोई फायदा नही । उनकी यह बात सुनकर मैं कुछ पल के लिए रुक सी गई , लेकिन फिर मैंने सोचा — अगर मैं अब हार मान लूंगी , तो मैं खुद से कभी नजर नहीं मिला पाऊंगी।

मैंने अपनी पूरी ताकत और हिम्मत जुटाई और साइकिल चलती रही । धीरे – धीरे मैं आगे बढ़ती गई और अंत में जब परिणाम घोषित हुआ तो मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई की मैने गर्ल्स श्रेणी में प्रथम स्थान (1st Rank) प्राप्त किया।

उस पल की खुशी शब्दों में बयां नही की जा सकती । मेरे पापा की आंखों में गर्व देखकर लगा की मेरी सारी मेहनत सफल हो गई।

यह उपलब्धि मेरे लिए गर्व का क्षण था। इस अनुभव ने मुझे यह सिखाया की अगर हम खुद पर विश्वास रखे और कभी हार न माने तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं होता है ।

साइक्लोथोन ने न केवल मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाया , बल्कि यह भी सिखाया की सफलता उन्ही को मिलती है जो कठिनाइयों से लड़ने का साहस रखते है।

यदि व्यक्ति ठान ले तो वह कुछ भी कर सकता है। आत्मविश्वास वास्तव में सबसे बड़ी शक्ति है। मेरे भीतर भी जो आत्मविश्वास था , उसी के बाल पर मैं यह कार्य कर पाई । इसी माध्यम से मैं समाज को यह संदेश देना चाहती हुं, की जब मेरी जैसी साधारण लड़की यह कर सकती है , तो छत्तीसगढ़ ही नहीं , पूरे देश की बेटियां भी कर सकती है।

शुरुआत में मैं हिम्मत हार चुकी थी लेकिन फिर मैंने खुद को संभाला हिम्मत जुटाई और पूरे मन से इस कार्य को किया । इसी अनुभव ने मुझे यह उम्मीद दी कि मैं कर सकती हुं। आत्मविश्वास की जो शक्ति है उसे मैने सही मायने में समझा और महसूस किया।

जब मैं जीती तो मेरे घरवालों से लेकर महाविद्यालय तक सभी ने मुझे हौसला और सम्मान दिया , तब वह मेरे लिए बहुत ही गर्व का क्षण था। विशेष रूप से जब मेरा नाम पहली बार समाचार पत्र में छपा तो उस खुशी को शब्दों में बयां नही किया जा सकता। मेरे परिवार और महाविद्यालय के लोगो ने मुझे जो हौसला और स्नेह दिया , उससे मैं बेहद अभिभूत हूं।

मैं आगे भी निरंतर प्रयास करती रहूंगी की यदि ऐसे किसी कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिले , तो मैं अवश्य भाग लूंगी। मेरा लक्ष्य है की मैं अपने गांव , अपने शहरो, अपने महाविद्यालय और अपने परिवार का नाम रोशन करती रहूं।

दैनिक जीवन में रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ा हुआ है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक हम जिन वस्तुओं का उपयोग करते हैं, उनमें कहीं–न–कहीं रसायन विज्ञान की भूमिका अवश्य होती है।

हमारे द्वारा प्रयोग किया जाने वाला साबुन, टूथपेस्ट और शैम्पू रासायनिक प्रक्रियाओं से तैयार किए जाते हैं। साबुन गंदगी और तेल को हटाने में सहायता करता है, जबकि टूथपेस्ट दाँतों को सुरक्षित रखता है। भोजन पकाने के दौरान होने वाली रासायनिक अभिक्रियाएँ भोजन को स्वादिष्ट और सुपाच्य बनाती हैं।

चिकित्सा के क्षेत्र में रसायन विज्ञान का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। दवाइयाँ, टीके और एंटीबायोटिक रसायन विज्ञान की देन हैं, जो हमें विभिन्न रोगों से बचाते हैं। कृषि में उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग से फसलों की पैदावार बढ़ती है।

ईंधन जैसे पेट्रोल, डीज़ल, एलपीजी, प्लास्टिक, रंग, पेंट और सौंदर्य प्रसाधन भी रसायन विज्ञान के ही उत्पाद हैं। इनके बिना आधुनिक जीवन की कल्पना करना कठिन है।

अतः कहा जा सकता है कि रसायन विज्ञान हमारे जीवन को सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाता है। यदि इसका सही और संतुलित उपयोग किया जाए, तो यह मानव समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

हीरा साहू
बी.एस.सी तृतीय सेमेस्टर

युवा है तो भारत है

" युवा ही देश का भविष्य है उनकी सोच ही कल का निर्माण करती है"

भारत दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र है युवाओं के पास ऊर्जा सपने और साहस है जो देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है

"युवा जोश से भर दे नई उडान

सपनों से रोशन हो हिंदुस्तान"

स्वतंत्रता संग्राम में भी युवाओं ने ही बड़ी भूमिका निभाई थी भगत सिंह और चंद्रशेखर आज़ाद जैसे युवाओं ने बलिदान देकर आज़ादी दिलाई आज के युवाओं कि जिम्मेदारी है कि वे शिक्षा, मेहनत ,और इमानदारी के साथ समाज और राष्ट्र को सही दिशा दे युवा शक्ति ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है।

बबीता साहू
बी.एस.सी तृतीय सेमेस्टर

"हार नहीं मानूँगा,
रार नहीं ठानूँगा,
काल के कपाल पर
लिखता–मिटाता हूँ,
गीत नया गाता हूँ।"

अटल जी

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक द्वारा सैनिको के लिए रक्षासूत्र कलेक्टर बलौदाबाजार श्री दीपक सोनी को दिया गया

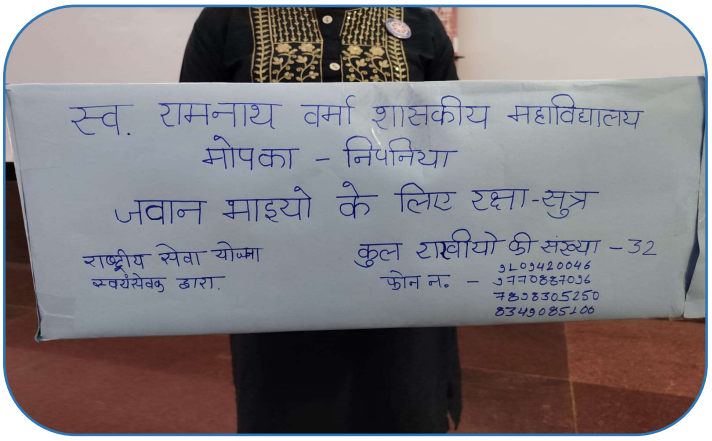

पत्रिका

छात्राओं की अनूठी पहल: वीर जवानों तक पहुंचाएंगे रक्षासूत्र

भाटापारा @ पत्रिका. रक्षाबंधन के पावन अवसर को विशेष रूप देने और सीमाओं पर तैनात देश के वीर जवानों तक बहन के स्नेह का प्रतीक रक्षासूत्र पहुंचाने के उद्देश्य से एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायी पहल की गई है। स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका निपनिया की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस की छात्राओं द्वारा बनाए गए रक्षासूत्रों (राखियों) को आज कलेक्टर दीपक सोनी को सौंपा गया।

इस अवसर पर कलेक्टर दीपक सोनी ने छात्राओं की इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कार्य न केवल रक्षाबंधन पर्व को एक नया आयाम देता है, बल्कि देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी का अनुपम उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा, हमारे सैनिक सीमाओं पर हर परिस्थिति में डटे रहते हैं। कई जवान ऐसे भी होते हैं जो रक्षाबंधन पर अपने घर नहीं पहुंच पाते। इन रक्षासूत्रों के माध्यम से उन्हें अपने परिवार और बहनों का स्नेह मिलेगा, जो उन्हें आत्मबल और अपनापन का अनुभव कराएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले एवं सहायक प्राध्यापक नेहा केरकेट्टा भी उपस्थित रहीं।

31/07/2025 | Raipur Zila | Page : 12
Source : https://epaper.patrika.com/

दैनिक भास्कर आंचलिक 31-07-2025

दिखी देशभक्ति • मोपका कॉलेज की छात्राओं ने बड़ी संख्या में स्वनिर्मित राखियां कलेक्टर को सौंपी

फौजी जवानों तक पहुंचेगी कॉलेज छात्राओं की राखी

भास्कर न्यूज | बलौदाबाजार

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर इस बार एक विशेष पहल की गई है, जिसमें बहनों का स्नेह और देशभक्ति का भाव एक साथ देखने को मिला। स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका निपनिया की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की छात्राओं ने अपने हाथों से बनाए गए रक्षासूत्र कुशवाहा को बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी को सौंपे, ताकि ये रक्षासूत्र देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों तक पहुंचाए जा सकें।

छात्राओं ने इस पहल के माध्यम से उन सैनिकों को अपना प्रेम और आशीर्वाद भेजने का प्रयास किया है जो रक्षाबंधन के दिन अपने घरों से दूर रह कर देश की रक्षा में लगे रहते हैं। इन रक्षासूत्रों के माध्यम से छात्राओं ने अपने भाव व्यक्त किए हैं कि सेना के जवान भी किसी बहन के भाई हैं और उन पर भी स्नेह जताया जाना चाहिए। कलेक्टर ने की सराहना, इसे मिसाल भी बताया: रक्षासूत्र प्राप्त करते हुए कलेक्टर दीपक सोनी ने छात्राओं की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कार्य केवल पर्व को नया आयाम ही नहीं देता, बल्कि यह देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की अनूठी मिसाल है। इन रक्षासूत्रों से हमारे जवानों को घर के स्नेह की अनुभूति होगी और यह उन्हें और भी मजबूत बनाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले तथा सहायक प्राध्यापक नेहा केरकेट्टा भी उपस्थित थीं।

बलौदाबाजार। बेटियों की भावनात्मक पहल, रक्षाबंधन पर सरहद तक पहुंचेगा स्नेह का धागा।

हरिभूमि
मध्यांचल भूमि - Page 3
31 July 2025

इस अवसर पर छात्राओ और समस्त विशेष रूप से उपास्थित थ।

जवानों तक पहुंचेगा बहनों का स्नेह छात्राओं ने कलेक्टर को सौंपे रक्षा सूत्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बलौदाबाजार

रक्षाबंधन के पावन अवसर को विशेष रूप देने और सीमाओं पर तैनात देश के वीर जवानों तक बहन के स्नेह का प्रतीक पहुंचाने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल की गई। स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका निपनिया की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के छात्राओं द्वारा बनाए गए रक्षासूत्रों को आज कलेक्टर दीपक सोनी को सौंपा।

कलेक्टर श्री सोनी ने छात्राओं को इस पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह कार्य न केवल रक्षाबंधन पर्व को एक नया स्वरूप प्रदान करता है बल्कि देशभक्ति और नागरिक जिम्मेदारी की अद्भुत मिसाल भी पेश करता है। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवान अपनी जान की परवाह किए बिना सीमाओं पर डटे रहते हैं। कई जवान ऐसे हैं जो रक्षाबंधन पर अपने घर नहीं आ पाते। इन रक्षा सूत्रों के माध्यम से उन्हें अपने परिवार का स्नेह और बहन का प्यार मिलेगा जिससे वे खुद को और भी मजबूत और अपनापन महसूस करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले एवं सहायक प्राध्यापक नेहा केरकेट्टा भी उपस्थित रहीं।

स्व. रामनाथ वर्मा महाविद्यालय की छात्राओं ने बनाई राखियां, सीमा पर तैनात जवानों को भेजेगी

नवभारत छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Baloda Bazar - 31 Jul 2025 - 31balb3
epaper.navabharat.news

महाविद्यालय की छात्राओं ने कलेक्टर को सौंपा रक्षासूत्र

सरहदों पर डटे जवानों तक पहुंचेगा बहनों का स्नेह

बलौदाबाजार। रक्षाबंधन के पावन अवसर को विशेष रूप देने और सीमाओं पर तैनात देश के वीर जवानों तक बहन के स्नेह का प्रतीक पहुंचाने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल की गई। स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका, निपनिया की राष्ट्रीय सेवा योजना, एनएसएस के छात्राओं द्वारा बनाए गए रक्षासूत्रों को कलेक्टर दीपक सोनी को सौंपा।

कलेक्टर श्री सोनी ने छात्राओं को इस पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह कार्य न केवल रक्षाबंधन पर्व को एक नया स्वरूप प्रदान करता है बल्कि देशभक्ति और नागरिक जिम्मेदारी की अद्भुत मिसाल भी पेश करता है। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवान अपनी जान की परवाह किये बिना सीमाओं पर डटे रहते हैं। कई जवान ऐसे हैं जो रक्षाबंधन पर अपने घर नहीं आ पाते। इन रक्षासूत्रों के माध्यम से उन्हें अपने परिवार का स्नेह और बहन का प्यार मिलेगा जिससे वे खुद को और भी मजबूत और अपनापन महसूस करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री प्रियंका पाटले एवं सहायक प्राध्यापक सुश्री नेहा केरकेट्टा भी उपस्थित थीं।

देशबन्धु
Influencing Public Opinion Since 1959
31 Jul 2025 - Page 21

महाविद्यालय की छात्राओं ने कलेक्टर को सौंपे रक्षासूत्र

बलौदाबाजार, 30 जुलाई (देशबन्धु)। रक्षाबंधन के पावन अवसर को विशेष रूप देने और सीमाओं पर तैनात देश के वीर जवानों तक बहन के स्नेह का प्रतीक पहुंचाने के उद्देश्य से एक अनूठी पहल की गई। स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका निपनिया की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के छात्राओं द्वारा बनाए गए रक्षासूत्रों को आज कलेक्टर दीपक सोनी को सौंपा।

कलेक्टर श्री सोनी ने छात्राओं को इस पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह कार्य न केवल रक्षाबंधन पर्व को एक नया स्वरूप प्रदान करता है बल्कि देशभक्ति और नागरिक जिम्मेदारी की अद्भुत मिसाल भी पेश करता है। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवान अपनी जान की परवाह किए बिना सीमाओं पर डटे रहते हैं। कई जवान ऐसे हैं जो रक्षाबंधन पर अपने घर नहीं आ पाते। इन रक्षासूत्रों के माध्यम से उन्हें अपने परिवार का स्नेह और बहन का प्यार मिलेगा जिससे वे खुद को और भी मजबूत और अपनापन महसूस करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री प्रियंका पाटले एवं सहायक प्राध्यापक सुश्री नेहा केरकेट्टा भी उपस्थित रहीं।

सरहदों पर डटे जवानों तक पहुंचेगा बहनों का स्नेह

रेड क्रॉस एवं रेड रिबन क्लब

रेड क्रॉस के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां किया जाता है जैसे की हेल्थ कैंप, पैड वितरण अन्य जागरूकता साथ ही रेड रिबन क्लब के अंतर्गत एच आई वी एड्स कार्यक्रम साथ ही जागरूकता रैली आदि किया जाता है।

ग्राम मोपका में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का किया गया आयोजन

ग्राम मोपका कालेज मे स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। ● नईदुनिया

नईदुनिया न्यूज, भाटापारा मोपका : स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका-निपानिया में प्राचार्य डॉ अभिलाषा सेन के निर्देशन में रासेयो इकाई कार्यक्रम अधिकारी प्रियंका पाटले द्वारा महाविद्यालय में ग्राम मोपका के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डॉ आलोक तिवारी एवं उनके टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। शिविर में चिकित्सकों की टीम द्वारा ब्लड टेस्ट, बी.पी. जाँच, शुगर टेस्ट सहित विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। साथ ही लाभार्थियों के आयुष्मान भारत कार्ड बनाए गए, जिससे भविष्य में उन्हें सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। डॉक्टरों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जाँच, संतुलित आहार, योग-व्यायाम और नशामुक्त जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणजनों ने शिविर का लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम अधिकारी ने कहा – "इस प्रकार के शिविर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

प्लास्टिक: वरदान या अभिशाप?

दिव्या वर्मा
बी.एस.सी
तृतीय सेमेस्टर

प्लास्टिक आधुनिक जीवन का एक ऐसा पदार्थ बन चुका है, जिसके बिना आज की दुनिया की कल्पना करना कठिन है। हल्का, सस्ता और टिकाऊ होने के कारण प्लास्टिक ने मानव जीवन को अत्यंत सुविधाजनक बनाया है। परंतु यही प्लास्टिक आज पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर समस्या भी बन गया है। इसलिए यह प्रश्न उठता हैकृप्लास्टिक वास्तव में वरदान है या अभिशाप?

प्लास्टिक का उपयोग हमारे दैनिक जीवन में हर जगह देखने को मिलता है। पैकेजिंग, बोतलें, पाइप, खिलौने, मोबाइल, कंप्यूटर, चिकित्सा उपकरण और दवाइयों की पैकिंग—इन सभी में प्लास्टिक का महत्वपूर्ण योगदान है। चिकित्सा क्षेत्र में प्लास्टिक ने सिरिंज, ब्लड बैग और सर्जिकल उपकरणों के माध्यम से लाखों लोगों की जान बचाई है। इस दृष्टि से प्लास्टिक निस्संदेह एक वरदान है।

लेकिन दूसरी ओर, प्लास्टिक का अत्यधिक और असंतुलित उपयोग इसे अभिशाप बना रहा है। प्लास्टिक न तो आसानी से नष्ट होता है और न ही मिट्टी में घुलता है। यह वर्षों तक पर्यावरण में बना रहता है, जिससे भूमि, जल और वायु प्रदूषण बढ़ता है। नदियों और समुद्रों में फेंका गया प्लास्टिक जलीय जीवों के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। प्लास्टिक जलाने से निकलने वाली जहरीली गैसें मानव स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत हानिकारक हैं।

आज आवश्यकता है कि हम प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह समाप्त नहीं, बल्कि नियंत्रित और जिम्मेदार बनाएं। पुनः उपयोग (Reuse), पुनर्चक्रण (Recycle) और प्लास्टिक के विकल्पों को अपनाकर हम इस समस्या से काफी हद तक निपट सकते हैं।

अतः कहा जा सकता है कि प्लास्टिक स्वयं में न तो पूरी तरह वरदान है और न ही केवल अभिशाप। यह हमारे उपयोग पर निर्भर करता है कि हम इसे मानवता के हित में प्रयोग करें या अपने ही भविष्य के लिए संकट बना दें।

प्रगति की दौड़ में गुम होती इंसानियत

गौरव
बी.एस.सी
तृतीय सेमेस्टर

आज हम उस दौर में जी रहे हैं जहाँ तकनीक ने मानव जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और AI जैसी सुविधाओं ने हमारे काम आसान कर दिए हैं। हम मीलों दूर रहकर भी एक–दूसरे से संपर्क कर सकते हैं, ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं, दुनिया की कोई भी जानकारी पा सकते हैं।

लेकिन सवाल यह है कि "क्या इस प्रगति के साथ हम इंसान के रूप में भी उतने ही विकसित हुए हैं?"

"दुर्भाग्य से नहीं!"

जैसे–जैसे तकनीक बढ़ी, मनुष्य के भीतर संवेदनाएँ, धैर्य और आपसी जुड़ाव कम होने लगा। पहले लोग एक–दूसरे से मिलकर बातें करते थे, हँसते–बोलते थे। पहले आँखों से अपनापन झलकता था, अब स्क्रीन की रोशनी में वह भाव भी खो गया है।

हम धीरे–धीरे मशीनों के गुलाम बनते जा रहे हैं। जीवन का अर्थ अब "सुविधा" तक सिमट गया है। संवेदना पीछे छूट गई है।

तकनीक ने हमारे बीच की भौतिक दूरियाँ तो मिटा दी हैं, पर दिलों के बीच ऐसी खामोशियाँ भर दी हैं, जिन्हें कोई नेटवर्क नहीं जोड़ सकता।

"तकनीक बढ़ती रहे, पर इंसानियत जीवित होनी चाहिए। असली प्रगति वही है जिसमें दिल जुड़े रहें और मानव सम्बन्धों में गहराई बनी रहे।"

आदिवासी संग्रहालय रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ भारत का वह राज्य है, जहां की पहचान उसकी समृद्ध आदिवासी विरासत लोक संस्कृति कला और परंपराओं से होती है। इसी विरासत को संभालने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से नया रायपुर में छत्तीसगढ़ ट्राईबल म्यूजियम की स्थापना की गई। यह सिर्फ एक संग्रहालय नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ की जीवंत सांस्कृतिक पहचान का दर्पण है।

स्थापना और उद्देश्य => नया रायपुर ट्राइबल म्यूजियम का निर्माण लगभग 2021 में शुरू हुआ और इसे विशेष रूप से राज्य के आदिवासी जीवन ,लोककला ,परंपराओं, रहन–सहन ,त्यौहार , वस्त्र ,आभूषण, शिकार, पद्धति और आध्यात्मिक विश्वास को प्रदर्शित करने के लिए बनाया गया।

मुख्य उद्देश्य => इसका मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है –

1 आदिवासी जीवन शैली का संरक्षण।

2 सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा।

3 पर्यटन और शैक्षणिक अध्ययन को बढ़ावा देना।

4 नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना

संग्रहालय की मुख्य विशेषताएं ÷

आदिवासी जीवन का वास्तविक चित्रण =>इस संग्रहालय में छत्तीसगढ़ के प्रमुख आदिवासी समुदायों जैसे गौड़ , हलबा, मुरिया, बैगा , रामनामी , गोरखा ,और कमार जनजाति के जीवन की झलक दिखाई जाती है।

आदिवासी त्योहार और नित्य => संग्रहालय में गोड़ और मुरिया समा के प्रसिद्ध गौर नित्य, राउत नाचा सल्फी नित्य को जीवंत मूर्तियो, सजावट और ऑडियो विजुअल प्रस्तुत किया गया है।

झोपड़ीनुमा कला प्रदर्शन => यहां बने पारंपरिक घर , लकड़ी की झोपड़ियां ,मिट्टी के बर्तन , कमर चूल्हा , कृषि उपकरण और दैनिक उपयोग की वस्तुएं देखकर ऐसा लगता है मानो हम किसी आदिवासी गांव में खड़े हैं ।

पारंपरिक हथियार और कला => यहां धनुष बाण , भाला , जाल , ढाल ,शिकारी औजार साथ ही टेराकोटा कला , बास की कलाकृतियां और आदिवासी कलाचित्र जैसे गोड़ आर्ट और रामनामी चित्रकला को विशेष स्थान दिया गया है।

आध्यात्मिक विश्वास और लोक आस्था => संग्रहालय में आदिवासी समाज में प्रचलित प्रकृति पूजा, देवगढ़ , बुढ़ादेव , नारायणी देवी और जीवन चक्र की सामूहिक परंपराओं का बेहद भावपूर्ण चित्रण है।

शैक्षणिक और पर्यटन महत्व => यह संग्रहालय न केवल पर्यटन का आकर्षण है बल्कि शोध , इतिहास , मानव विज्ञान , समाजशास्त्र और कला प्रिय विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अध्ययन केंद्र भी हैं यहां आने वाले पर्यटक आदिवासी जीवन को करीब से समझ सकते हैं।

आधुनिक तकनीक के साथ संस्कृति प्रदर्शन => संग्रहालय में स्क्रीन्स्प्ले ,3D मॉडल , डिजिटल ऑडियो गाइड और इंटरएक्टिव स्क्रीन के माध्यम से जानकारी को रोचक व आधुनिक तरीके से प्रस्तुत किया गया है बच्चे और युवा विद्यार्थियों के लिए एक लर्निंग सेंटर भी हैं ।

निष्कर्ष => नया रायपुर का ट्राइबल म्यूजियम छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है यह न केवल पौराणिक परंपराओं को सुरक्षित करता है बल्कि आधुनिक पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी कार्य करता है।यह संग्रहालय हमें सिखाता है कि विकास का सच्चा अर्थ तब है जब हम अपनी विरासत को संजोकर आगे बढ़े।

जय हिंद ,जय भारत ,जय छत्तीसगढ़।

टेशु निषाद
बी.एस.सी तृतीय वर्ष

हमारी प्रकृति

प्रियंका सोनी
बी.एस.सी तृतीय सेमेस्टर

प्रकृति की गोद में जीवन है,
हरियाली, फूल, और पेड़ों का गहना है।
ऑक्सीजन देती, पानी देती,
जीवन को संतुलित रखती, ये प्रकृति है।

पहाड़ों की ऊँचाई, नदियों का बहाव,
जंगल की हरियाली, सबका है जहाँव।
जीवन का आधार, प्रकृति का प्यार,
प्रकृति है हमारी, हमारा संसार।

बचाएंगे हम, रखेंगे ध्यान,
प्रकृति का होगा, हमारा सम्मान।
हरे पेड़ लगाएंगे, पानी बचाएंगे,
प्रकृति के साथ, जीवन बनाएंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- एक परिवर्तनकारी शक्ति

दुर्गा वर्मा
बी.एस.सी तृतीय वर्ष

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जिसने विभिन्न उद्योगों में कोति लादी है और हमारे रहने और काम के तरीके को नवीन आकार दिया है। मशिन लर्निंग डीय लर्निंग और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में प्रगति के साथ, एआई अधिक बुद्धिमान और सक्षम होता जा रहा है, जिससे इसके निहितार्थ और अनुप्रयोगो के बारे में उत्साह और चिताए दोनो बढ़ रही है।

दक्षता और उत्पादकता बढ़ना :–एआई का सबसे महत्वपूर्ण निहितार्थ उद्योगो मे दक्षता और उत्पादकता बढाने की इसकी क्षमता है जिससे मनुव्य अधिक जटिल और रचनात्मक प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित कर सकता है। विनिर्माण से लेकटू स्वास्थ्य सेवा तक, एआई ने प्रक्रियाओं में सुधार करने, त्रुटियो को कम करने और समग्र उत्पादकता को बढावा देने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम की मदद से, एआई सिस्टम बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण कर सकते है, पैटर्न की पहचान कर सकते हैं और इंसानी की तुलना में डेटा – संचालित निर्णय तेजी से ले सकते है।

स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा मे परिवर्तन :–कृत्रिम बुद्धिमता बेहतर रोगी देखभाल निदान और उपचार को सक्षम करके स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अंति ला रही है। एआई एल्गोरिदम सटीक निदान और उपचार योजना बनाने में डॉक्टरी की सहायता के लिए रोगी रिकॉर्ड, प्रयोगशाला परिणाम और चिकित्सा अडियो जैसे चिकित्सा डेरा का विश्लेषण कर सकता है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल सलाह और सहायता प्रदान करने के लिए एआई – संचालित – वैटबॉट और कर्चुअल असिस्टेंट का भी उपयोग किया गया है। इसके अलावा, एआई दवा की खोज और जीनीमिक्स अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे वैज्ञानिकों को संभावित दवा उम्मीदवारों की पहचान करने और जटिल बीमारियों में अंतरइष्टि उजागर करने में मदद मिल रही है।

स्मार्ट बाहरी और बुनियादी ढांचे को माशवत बनाना :–कृत्रिम बुद्धिमता में व्यक्तिगत और अनुकूली शिक्षण अनुभव प्रदान करके शिक्षा ने कांति लाने कीक्षमता है। एभाई एलगोरिदम गैक्षिक सामग्री और सिफारिशों को तदनुसार तैयार करने के लिए छात्रो के सीखने के पैटर्न और प्राथमिकताओं का विश्लेषण कर सकता है। इंटेलिजेंट व्यूशन सिस्टम बेहतर शिक्षण परिणामी को बढ़ावा देने हुए छात्रों को व्यक्तिगत प्रतिक्रिया और मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त एभाई–संचालित आभासी वास्तविकता और संवर्धित वास्तविकता एालिकेशन त्यापक शैक्षिक अनुभव बना सकते है जिससे जटिल अवधारणाए अधिक मूर्त और आकर्षण बन जाती है।

प्रगतिशील शिक्षा और व्यक्तिगत बानार्जन को आगे बढाना :–अनुकूली शिक्षण अनुभव प्रदान करके शिक्षा में कांति लाने की क्षमता है। एआई कृत्रिम बुद्धिमता मे व्यक्तिगत और एलगोरिदम शैक्षिक सामग्री और सिफारिशों को तदानुसार, तैयार करने के लिए छात्रों के सीखने के पैटर्न और प्राथमिकताओं का विश्लेषण कर सकता है। इंटेलिजेंट ट्यूशन सिस्टम बेहतर शिक्षण परिणामी को बढ़ावा देते हुए छात्रो को व्यक्तिगत प्रतिक्रिया और मार्गदर्शन प्रसन कर सकते है।

नैतिक विचार, और भविष्य की चुनौतिया ँ:–

यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमता का उदय कई अवसर प्रस्तुत करता है यह महत्वपूर्ण नैतिक विचारों को भी जन्म देता है। डेटा गोपनीयता एल्गोरिदम मे पूर्वाग्रह और रोजगार पर प्रभाव जैसे मुद्दों को सक्रिय रूप से संबोधित करने की आवश्यकता है। नीति निर्माताओ, शोधकर्ताओ और उद्योग जगत के नेताओ के एआई प्रोद्योगिकियों के विकास और तैनाती को नियंत्रित करने के लिए दिशा निर्देश और नियम। स्थापित करने के लिए सहयोग करना चाहिए।

आवश्यक है एआई प्रौद्योगिको को :–

कृत्रिम बुद्धिमता का उदय हमारे रहने काम करने और दुनिया के साथ बातचीत करने के तरीके को बदल रखा है। इसके निहितार्थ और अनुप्रयोग विभिन्न क्षेत्री में फैले हुए है। एमाई की प्रगति के लिए इसके नैतिक निहितार्थी पर सावधानीपूर्वक विचार करना जिम्मेदार विकास और तैनाती को बढ़ावा देकर हम निष्पक्ष और समावेशी अविष्क जैसे–जैसे एआई का विकास जारी है, समग्र रूप से समाज के लाभ के लिए इसके प्रक्षेप पथ को आकार देना हमारी जिम्मेवारी है।

टेक्नोलॉजी आधुनिक जीवन आधार

कंचन रजक
बी.एस.सी तृतीय वर्ष

तकनीक, प्राचीन पत्थरों और औजारों से लेकर मान की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और रोबोटिक्स तक, मानव सभ्यता के विकाश का अभिन्न अंग रही है, यह विज्ञान मऔर इंजीनियरिंग का वह समूह है जिसने हमारे बीने, काम करने और संवाद करने के तरिके को पूरी तरह बदल दिया है।

शिक्षा और संचार

शिक्षा: ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, ई–बुक्स और डिजिटल टूल्स ने शिक्षा को सुलभ और आकर्षक बनाया है। जिससे छात्र घर बैठे भी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं

संचार: ऑनलाइन इंटरनेट और स्मार्टफोन ने दुनिया की जोडग बिससे हम रियल–टाइम में वीडियों कॉल मैसेज भीर ईमेल के जरिए जुड़े रह सकते हैं।

अर्थव्यवस्था और रोजगार

आर्थिक विकास: टैक्नोलॉजी ने भारत जैसे देशों की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने की मदद की हैं, उत्पाकिस्ता बढ़ाई है. और नए उद्योगों को जन्म दिया है।

आधुनिक तकनीकी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI): AI मशीन लर्निंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रसिसिंग के जरिए स्वायत्त वाहनऔर वर्चुअल असिस्टेंट को बाक्ति दे रहा है।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स:

यह उपकरणों की आपस में जोड़ता है, जिससे स्मटि होम और औद्योगिक भोटोमेशन सम्भव हुआ।

चुनौतियाँ और भविष्य

नैतिक मुद्ध: टेक्नोलॉजी के साथ डेटा प्रावेली और ॥ तकनीक नैतिक उपयोग जैसे सवाल जुड़े हैं।

डिजिटल डिवाइड; सभी लोगों तक टेक्नोलॉजी की पहुँच सुनिष्चित करना एक चुनौति हैं।

टेक्नोलॉजी के इतिहास और प्रकार:

पहिए और इंटरनेट तक, पत्थर के औजारों से लेकर तकनीक का विकास हुआ है, इसमें संचार

(टेलिफोन इंटरनेट) इंजिनियरींग (सिविल मैकेनिकल) और दवाईया शामिल है।

निष्कर्ष: टैक्नोलॉजी अब सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि एक भांवश्यकता बन चुकी है. यह हमें अधिक कुवाल, कनेक्टेड भौर बासक्त बनाती हैं. भविष्य में. नई तकनीक सफलताएँ हमारी दुनियाँ दुनियाँ को और भी बदल देंगी, और हमें इन बदलावों के लिए तैयार रहना होगा ।

मेरे नजरो में मोपका कॉलेज

माधुरी वर्मा
भूतपूर्व छात्र

सूरज की पहली किरण से शुरूआत भी हमारी, पूरे दिन का मुस्कान भी हमारी, इस मोपका कॉलेज में नये–नये टीचर और बच्चो से मुलाकात भी हमारी।

सोचते और है कि इस कॉलेज में नये–नये विषय की शुरूआत ही होगी।

पर बच्चों से मुलाकात ही हमारी। मोपका कॉलेज के शुरूवात भी हमारी।

नये–नये खेल खिलाते हे इस कॉलेज में, पर सही जीवन जीना सिखाते है इस कॉलेज में पढ़ाई, लिखाई से लेकर खेल–कुद सही तरीके से सिखाते है इस कॉलेज में।। ऐसा लगता है कि मोपका कॉलेज को छोडने का मन नही करता। पर समय ऐसा आता है इस कॉलेज को छोड़कर जाना ही होता है।

ऐसा लगता है कि इस कॉलेज में कुछ और समय बीता लूँ, मया और प्यार का भण्डार भी हमारी।
सभी बच्चे बोलते है, यह कॉलेज घर जैसा लगता है।
एक बार मन लगाकर पढ़ाई करके देखो।।
पूरा जीवन बदल देता, पूरा जीवन बदल देता है।
पढ़ाई करो मोपका कॉलेज से
ज्ञान पाओं शिक्षको से
स्नेह करो कॉपी, पुस्तको सें
मया और दुलार पाओं मोपका कॉलेज से।

एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण हेतु विधानसभा, आदिवासी संग्रहालय रायपुर, सिरपुर, अमरकंटक एवं विज्ञान विभाग द्वारा कृषि महाविद्यालय भाटापारा, दुर्ग महाविद्यालय आदि का भ्रमण हर वर्ष अलग अलग जगहों में कराया जाता है। साथ ही प्राध्यापक द्वारा भी महाविद्यालय का भ्रमण किया जाता है जिसे हम हमारे महाविद्यालय में नवाचार कर सके।

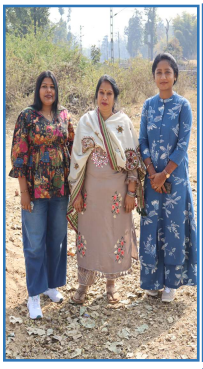

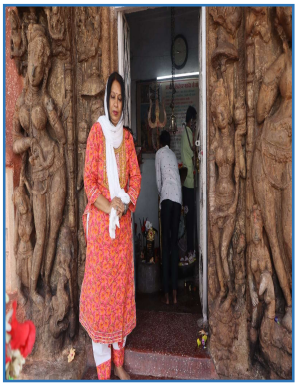

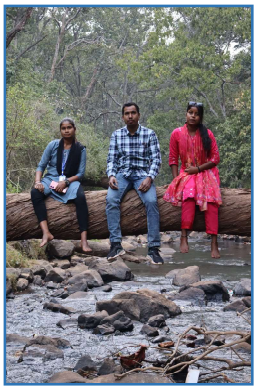

महाविद्यालय के प्राध्यापकों की उपलब्धि

प्रियंका पाटले को पीएचडी की उपाधि, शैक्षणिक जगत में हर्ष

भाटापारा/नवप्रदेश। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा प्रियंका पाटले को उनके शोध कार्य की सफल पूर्णता एवं अंतिम मौखिक परीक्षा उपरांत पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उनका शोध विषय सब्जेक्टिविटी इन द सिलेक्टेड नोवेल्स ऑफ महाश्वेता देवी एंड जयश्री मिश्रा रहा, जिसे साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एवं समकालीन अध्ययन माना जा रहा है। उनके शोध कार्य का मार्गदर्शन शोध निर्देशिका डॉ. कल्पना पॉल द्वारा किया गया। शोध वाइवा में बाह्य परीक्षक के रूप में डॉ. मनीष कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे, जिन्होंने शोधार्थी के विषय ज्ञान, शोध पद्धति एवं निष्कर्षों की सराहना की। अपने शोध के दौरान प्रियंका पाटले ने विशेष रूप से महिलाओं की विषयात्मक चेतना, संघर्ष एवं आत्मपहचान पर केंद्रित अध्ययन प्रस्तुत किया है। यह उपलब्धि स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका के लिए भी गौरव का विषय है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी सहित समस्त स्टाफने डॉ. प्रियंका पाटले को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि से महाविद्यालय, सहकर्मियों एवं परिजनों में हर्ष व्याप्त है।

प्रियंका पाटले को पीएच.डी. की उपाधि, शैक्षणिक जगत में हर्ष

भाटापारा (कुबेर भूमि)। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा प्रियंका पाटले को उनके शोध कार्य की सफल पूर्णता एवं अंतिम मौखिक परीक्षा (फाइनल वाइवा) उपरांत पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उनका शोध विषय 'सब्जेक्टिविटी इन द सिलेक्टेड नोवेल्स ऑफ महाश्वेता देवी एंड जयश्री मिश्रा' रहा, जिसे साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एवं समकालीन अध्ययन माना जा रहा है। उनके शोध कार्य का मार्गदर्शन शोध निर्देशिका डॉ. कल्पना पॉल द्वारा किया गया। शोध वाइवा में बाह्य परीक्षक के रूप में डॉ. मनीष कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे, जिन्होंने शोधार्थी के विषय ज्ञान, शोध पद्धति एवं निष्कर्षों की सराहना की। अपने शोध के दौरान प्रियंका पाटले ने विशेष रूप से महिलाओं की विषयात्मक चेतना, संघर्ष एवं आत्मपहचान पर केंद्रित अध्ययन प्रस्तुत किया है। यह उपलब्धि स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका के लिए भी गौरव का विषय है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी सहित समस्त स्टाफ ने डॉ. प्रियंका पाटले को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि से महाविद्यालय, सहकर्मियों एवं परिजनों में हर्ष व्याप्त है।

प्रियंका पाटले को पीएच.डी. की उपाधि

भाटापारा। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा प्रियंका पाटले को उनके शोध कार्य उपरांत पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है।उनका शोध विषय सब्जेक्टिविटी इन द सिलेक्टेड नोवेल्स ऑफ महाश्वेता देवी एंव जयश्री मिश्रा रहा जिसे साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एवं समकालीन अध्ययन माना जा रहा है। उनके शोध कार्य का मार्गदर्शन शोध निर्देशिका डॉ. कल्पना पॉल द्वारा किया गया। शोध वाइवा में बाह्य परीक्षक के रूप में डॉ. मनीष कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे, जिन्होंने शोधार्थी के विषय ज्ञान, शोध पद्धति एवं निष्कर्षों की सराहना की। अपने शोध के दौरान प्रियंका पाटले ने विशेष रूप से महिलाओं की विषयात्मक चेतना, संघर्ष एवं आत्मपहचान पर केंद्रित अध्ययन प्रस्तुत किया है। यह उपलब्धि स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय, मोपका के लिए भी गौरव का विषय है। उक्त अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी सहित समस्त स्टाफने डॉ. प्रियंका पाटले को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

डॉ प्रियंका पाटले
पीएचडी अवार्ड अंग्रेजी विषय

श्री युवराज सिंह दीक्षित
एम फिल अवार्ड वनस्पति विज्ञान

डॉ अभिलाषा सैनी
साहित्यश्री सम्मान नेपाल, काठमांडू 2025

उच्च शिक्षा मंत्री जी से भेंट मुलाकात

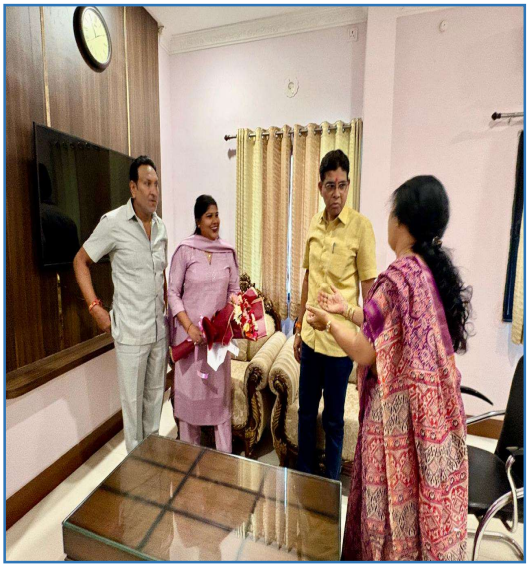

IQAC एवं MOU संबंधित महाविद्यालय भ्रमण

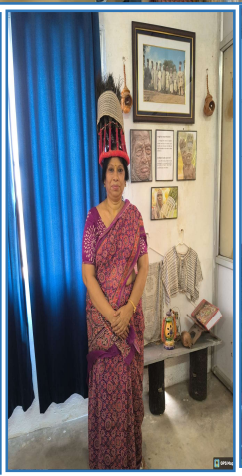

महाविद्यालय परिवार

डॉ अभिलाषा सैनी
प्राचार्य
समाजशास्त्र

श्री नारायण कुमार ध्रुव
सहायक प्राध्यापक
राजनीति शास्त्र

श्री रोहित लाल देवांगन
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य

श्री राजा राम धुर्वे
सहायक प्राध्यापक
भूगोल

श्रीमती नेहा केरकेट्टा
सहायक प्राध्यापक
रसायन

डॉ प्रियंका पाटले
सहायक प्राध्यापक
अंग्रेजी

श्रीमती तृप्ति साव
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य

श्री युवराज दीक्षित
अतिथि व्याख्याता
वनस्पति विज्ञान

डॉ अमित कुमार
अतिथि व्याख्याता
हिंदी

श्री दुर्योधन निषाद
अतिथि व्याख्याता
भौतिक विज्ञान

सुश्री भारती साहू
अतिथि व्याख्याता
प्राणी शास्त्र

सुश्री रोशनी अग्रवाल
अतिथि व्याख्याता
गणित

श्री संपत साहू
सहायक ग्रेड 2

श्री मंगली निषाद
सहायक ग्रेड 3

श्री तामेंद्र नेताम
प्रयोगशाला तकनीशियन

श्री इंद्रकांत सोनवानी
भित्या

श्री खिलेश साहू
कंप्यूटर ऑपरेटर

महाविद्यालय के एल्युमिनी

आकाश निषाद
भूतपूर्व छात्र
चयन –सीमा सरक्षा बल

स्थापना: 1 दिसंबर, 1965।
नारा (Motto): "जीवन पर्यन्त कर्तव्य" (Duty Unto Death)
मुख्यालय: नई दिल्ली।
कार्यक्षेत्र: मुख्य रूप से पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा करना।
सीमा सुरक्षा: शांति के समय भारत की सीमाओं की निगरानी करना और घुसपैठ को रोकना।
तस्करी रोकना: सीमा पार से होने वाली नशीले पदार्थों, हथियारों और अन्य अवैध चीजों की तस्करी पर लगाम लगाना।
युद्ध के समय भूमिका: युद्ध की स्थिति में यह सेना को सहायता प्रदान करते हैं और सीमित सैन्य अभियानों में हिस्सा लेते हैं।
आंतरिक सुरक्षा: देश के भीतर चुनाव, दंगों या आपदाओं (जैसे बाढ़ या भूकंप) के समय नागरिक प्रशासन की मदद करना। BSF को "भारत की रक्षा की पहली पंक्ति" (First Line of Defence) कहा जाता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा सीमा सुरक्षा बल है। इनके पास अपनी हवाई शाखा (Air Wing), जल शाखा (Water Wing) और एक बेहतरीन ऊंट दस्ता (Camel Contingent) भी है।

Dr. Abhilasha Saini (Principal) Sociology

Counsellor of IGNOU

Research Guide at Pandit Ravishankar Shukla University Raipur (CG)

जनभागीदारी अध्यक्ष एवं सदस्यगण

श्री संकेत अग्रवाल
अध्यक्ष

डॉ चेतन वर्मा
संरक्षण

श्री कौशलेंद्र साहू
सदस्य

श्री देवक साहू
सदस्य

डॉ योगेंद्र सिंह
सदस्य

श्रीमती डागेश्वरी
सदस्य

श्री धनीराम
सदस्य

रितेश श्रीवास्तव
सदस्य

श्री धनीराम
सदस्य

श्री बसंत वर्मा
सदस्य

श्री मनोज
महाराज सदस्य

श्री राजेश पटेल
सदस्य

NSS के माध्यम से PreRDC (NIC) कैंप

राकेश कुमार
भतपर्व छात्र

जय हिंद मेरा नाम राकेश कुमार है मेरा महाविद्यालय की पढ़ाई स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका निपनिया में हुआ है। मुझे इस महाविद्यालय से काफी कुछ सीखने को मिला,शुरुआत में मुझे पता ही नहीं था कि NSS क्या होता है। और मुझे इस Nss के माध्यम से Pre&RDC (NIC) कैंप जाने का मौका मिला इस कैंप तक पहुंचने में मेरे गुरुजनों का सहायता रहा तथा उनके मार्गदर्शन के कारण ही मय इस मुकाम तक पहुंच पाया हूँ। यह महाविद्यालय छोटी सी संस्था है लेकिन ज्ञान से भरा पड़ा है यह संस्था पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी के अंतर गत आता है। Nss एक ऐसा प्लेट फॉर्म है जहा पर युवकों को एक नए पहचान देता है तथा युवकों का मागदर्शन करके उसे आगे बढ़ने में सहयोग प्रदान करता है। इस योजना(Nss) में भारत के अनेकों युवा जुड़े हुए हुए है जिससे उनके व्यक्तित्व का विकास होता है। मेरे इस छप्ड कैंप का सफर बहुत ही याद गार रहा और बहुत कुछ सीखने को मिला और कहा जाता है कि हजारों स्टूडेंट्स में किसी एक को ही यह कैंप जाने का मौका मिलता है।

भारत में डिजिटल शिक्षा

सरिता वर्मा
बी.एस.सी तृतीय

डिजिटल शिक्षा तकनीक आधारित शिक्षण पद्धति है जी स्मार्टफोन इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफार्म यह को पहुंचने संसाधना देती है। जिससे पारंपरिक और इंटरेक्टिव तहरीक से सीखने शिक्षा का का अवसर सीमाथी की पार किया जा जा सकता है। और भारत में डिजिटल इंडिया व NEP 2020 के लक्ष्यों की पूरा करने में मदद मिलती है। हांलाकि इसके लिए बबेहतर अक्टिविटी और मूल्यांकन की चुनौतियी पर ध्यान देना जरूरी है।अभिभावको और शिक्षको का प्रशिक्षण अधिकांश शिक्षक और अभिभावक तहनिकि रूप से दक्ष नहीं है है और उनमें से कई तो ऐसे है जिने पास तकनिक के बारे मे बुनियादी जान का भाभाव है। ऐसे में यह महत्वपूर्ण हो छो. उन्ह इस विषय मे प्रारंभिक शिक्षण वे अपनी बच्चो को भी शिक्षित कर सके। हा जाता है। उपलब्ध कराया पाए नाडी

इंटसट तक पहुंच में वृद्धि कसा –कारीना माहामारी ने हमे नए और रचनात्मक तरीकी मे पाण्लाव के साथ सामायोजन स्थापित कुनि के विषय में कुछ सिखाया है लेकिन इस पानी में अपक्षित एवं उमाप्तीर वर्गो को साथ लेकर चलना भी उतना है ही मावश्यक है। जितना की जीवन को नए थापामी में सामाहित कसा।

दूरस्थ शिक्षा अर्यक्रमों में स्नात्मक एवं तकनीकी पक्ष को शामील करने पर विशेष ताल दिया जाना चाहिए विशेष रूप से उम भारा वाले समूही ने भनि वाले सामान्य एवं मिशकत छाती की उपस्थिति के लिए यह महत्वपूर्ण है।

सरकार द्वारा डिजिटलीकरण करने के साथ–साथ बच्चो की भौनलाइन शिक्षा के ऐसे प्लेटफार्म और अध्ययन सामाग्री को नियुल चाहिए।डिजिटल शिक्षा कया हैर–सीखने– सिखान का वह तरिका है। उपयोग किया जाता है। नही बल्कि, वीडियो जिसमे कम्पूटर, टैणपिट, स्मार्टफीन और इंटसट जैसे डिजिटल उपकरणो इसमें सिर्फ किताबी की डिजिटल करना बिज, बबिनार और कानिस रिवालिटी के जरिए पढ़ाई की मजेदार बाराना शामिल है।

डिजिटल शिक्षा की चुनौतियों इंटस्ट की अपर्याप्त पहुंच – 'केवल वर्ष 2017–18 के राष्ट्रिय नमूना सर्वेक्षण के भाकों के मनुसार पर प्रतिशत शहरी और 15 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के पास भी भौर केवल उप प्र प्रतिरान शहरी इंटरनेट डी सुविधा मौजूद थी एवं २ प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के पास इंटरीट की सुविधा मौजूद 11 प्रतिशत ग्रामीण डेवल उप प्रतिशत शहरी एवं व्यार्कतया ने पिछले 30 दिनों में नेटवर्क का उपयोग किया था।भारत में डिजिटल शिक्षा का क्या प्रभाव हैर पर्यावरण पर प्रत्यक्ष पौर कम श्रो और संसाधनों मिलती है थ्स प्रथर कुम कागज के मावश्यकता के कारण अनुकूल प्रभाव पड़ता है जिससे लागत भधिकतम उपयोग उसे में मदद भारत शिक्षा के डिजिटलीकरण के लाभी को प्राप्त उी के लिए अनुकूल स्थिति है भी हमारे सीखने के तरीके और हम कया सीखते है, इस मौलिक रूप मे वाढल सकता है भारत में डिजिटल शिक्षा के लाभ

2013–20 के दौरान माहमारी जब भारत और पूरी इनिया डीविड 19 री से जूझ रही थी। ना भारत में डिजिटल शिक्ष देश के छात्रों के लिए सीखने का एकमात्र स्त्रीत थी भारत में डिजिटल शिक्षा के कुछ अन्य इस पहल से छाती को न केवल डिवाणी झान प्राप्त हुया है। बाल व्यावहारिक भऔर तकनिक जान भी प्राप्त हुमा हो सीखने के या मध्यपन उनके स्थान पर डिजिटल शिला के साथ कही भी, उभी भी लॉनलाइन उताओं के बीई प्रतिबंध नहीं है। अध्ययन में भाग ले सकते हो भौनलाइन उपलब्ध भष्म्पन सामाग्री के साथ, छात्र किए किसी भी विषय डी समझने के लिए अपना समय ले सकते हो डिपिटल शिक्षा के माध्यम से दात्री और शियाओं के बीच सीखने की प्रक्षिया को मादक भाकर्णक और संवादात्मक बनाया जा सकता हैव्यापक पहुंच शिक्षा मिल पाती है। अडिषक फौर प्रभावी – थोडिया – विजूचाल कटंट और इंटरकिटा टूल्स सीखने की रोचक बानात हो बबेहतर सहयोग –का छात्र और शिक्षक श्आसानी से मोहत विडियो और भन्य संसाधन साझा कर सकते यक्तिगत शिणा– हर बच्चे की जारत के हिसाब से सीखने क तहरीक अपनाए जा सकते है।